mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-165 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
16 जून 2026 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

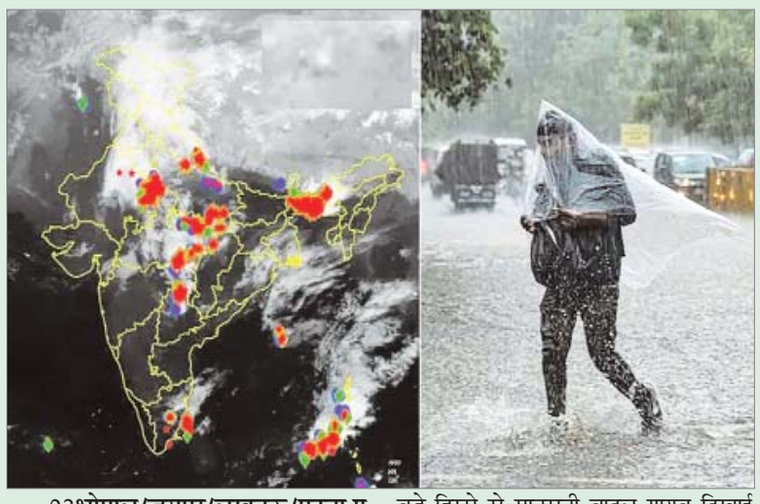

सैटेलाइट तस्वीरों में देश से मानसूनी बादल गायब

म.प्र.-राजस्थान समेत 17 राज्यों में बारिश का इंतजार बढ़ा; 4-15 जून के बीच 64% कम बरसात

02**भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना,एजेंसी।** भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ गई है। 15 जून यानी सोमवार की सैटेलाइट तस्वीरों में देश के बड़े हिस्से से मानसूनी बादल गायब दिखाई दिए।मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, 4 जून से 15 जून के बीच देश में सामान्य 53.7 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन सिर्फ 19.2 मिमी बारिश हुई। यानी बारिश में 64% की कमी दर्ज की गई है।

मानसूनी गतिविधियां कमजोर होने से 16 राज्यों में बारिश का इंतजार बढ़ गया है। इनमें राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली शामिल हैं।

मानसून दक्षिण भारत से आगे बढ़ने के बाद महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के आसपास ठहर गया है। वहीं, पूर्वोत्तर राज्यों को कवर करने के बाद यह बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में रुक गया है।

हवाओं के बदले पैटर्न से धीमा पड़ा मानसून:मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून के कमजोर होने की वजह समुद्र में नमी की कमी नहीं, बल्कि ऊपरी वायुमंडल में चल रही हवाओं का असामान्य पैटर्न है। इस बार पश्चिमी जेट स्ट्रीम सामान्य से ज्यादा दक्षिण की ओर खिसक गई है, जिससे मानसून को आगे बढ़ाने वाली हवाएं प्रभावित हो रही हैं।

इसके कारण अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में पर्याप्त नमी होने के बावजूद बादल नहीं बन पा रहे हैं। इसके कारण मानसून के आगे बढ़ने पर अभी ब्रेक लग सकती है। हालांकि अगले कुछ दिनों में मानसून के आगे बढ़ने की संभावना है। मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों में प्री-मानसून बारिश जारी है। महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में 17 जून तक लू चल सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, मराठवाड़ा में 17 जून तक और विदर्भ में 16 जून तक हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है।वहीं, महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र और गोवा में 17 जून तक गर्मी के साथ उमस भरा मौसम रहने का अनुमान है। कोंकण और गोवा के कुछ इलाकों में 16 जून तक रात में भी गर्मी से बनी रहेगी।

: ब्रीफ बॉस :

'अब टिकाऊ और अंतिम समझौते की उम्मीद'

अमेरिका-ईरान की पीस डील पर बोले पीएम मोदी

दिल्ली,एजेंसी।। अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते की घोषणा हो चुकी है और शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में इस पर हस्ताक्षर होने हैं। इसका दुनिया भर के नेताओं ने स्वागत किया है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि संघर्ष खत्म करने के लिए बनी इस सहमति का वह स्वागत करते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, 'मैं पश्चिम एशिया में संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का स्वागत करता हूं। इस संघर्ष के कारण दुनिया भर में गंभीर आर्थिक उथल-पुथल हुई है और कई देशों में जान-माल का नुकसान हुआ है।'

'उम्मीद है कि एक टिकाऊ और अंतिम समझौता हो सकेगा'

उन्होंने आगे लिखा, 'भारत को उम्मीद है कि इस सहमति को लागू करने से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने में मदद मिलेगी और आवाजाही व व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी। हम उम्मीद करते हैं कि बाकी मुद्दों पर बातचीत से एक टिकाऊ और अंतिम समझौता हो सकेगा।'

तमिलनाडु में 3 साल की बच्ची से रेप, मौत

बिहार का आरोपी गिरफ्तार, बिस्किट देने के बहाने ले गया ता आरोपी, परिजन का हंगामा

पटना,एजेंसी।तमिलनाडु के तिरुवल्लूर में 3 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया है। सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने बिहार के एक युवक को गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान 19 साल के विबिन मंच के तौर पर हुई है, जो तिरुवल्लूर में मजदूरी करता है। वहीं पीड़ित परिवार भी बिहार का ही बताया जा रहा है, जो इंड्रस्ट्रीयल एरिया में काफी सालों से रह रहा था।स्थायीन लोगों के मुताबिक, रविवार को आरोपी बच्ची को बिस्किट का लालच देकर अपने साथ ले गया था। जिसके बाद बच्ची घर नहीं लौटी। सोमवार को एक महिला ने झाड़ी में बच्ची को गंभीर हालत में देखा।जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान पता चला कि उसके साथ रेप हुआ था। थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो गई। वहीं, पुलिस ने बताया कि बच्ची आरोपी को जानती थी। घटना के बाद गुस्साए परिजन और स्थानीय लोगों ने सड़क पर उतरकर जमकर हंगामा किया। इस दौरान कई राहगीरों के साथ मारपीट की गई।

पीएम मोदी स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री से मिले

यहां पहली बार भारतीय प्रधानमंत्री का दौरा; वंदे मातरम की परफॉर्मेंस और ब्रेड-नमक से स्वागत हुआ

नई दिल्ली/पेरिस/ ब्रातिस्लावा, एजेंसी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो देशों के दौरे के दूसरे फेज में रविवार रात 2:18 बजे स्लोवाकिया पहुंचे। वह यहां 16 जून तक हैं। राजधानी ब्रातिस्लावा में विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्री जुराय ब्लानार ने उनका स्वागत किया।

प्रधानमंत्री द्विपक्षीय संबंधों और चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए ब्रातिस्लावा कैसल में स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको से मुलाकात की है।

मोदी को पारंपरिक स्लोवाक रीति से ब्रेड और नमक भेंट किया गया, जिसे यहां आतिथ्य, सम्मान और सद्भावना का प्रतीक माना जाता है। मोदी ने एयरपोर्ट पर

स्लोवाकिया में मौजूद भारतीयों से भी मुलाकात की।

दरअसल, मोदी 13 जून से फ्रांस-स्लोवाकिया के 6 दिन के दौरे पर हैं। वे 17 जून को फ्रांस के एवियान में G7 समिट में शामिल होंगे। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मिलेंगे।

स्लोवाकिया में 9 हजार से ज्यादा भारतीय

स्लोवाकिया में 9,200 से ज्यादा भारतीय रहते हैं। स्लोवाकिया में भारतीय आईटी सेवाओं, डेवलपमेंट सेंटर्स और तकनीकी क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। स्लोवाकिया के शेंगेन (यूरोपी देशों का समूह जहां एस वीजा से एंट्री मिलती है) देश होने की वजह से भारतीयों को एक ही वीजा पर 26 देश घूमने की सुविधा मिलती है।

टीएमसी के 20 बागी सांसदों का एनसीपीआई में विलय

3 साल पहले पति-पत्नी ने यह पार्टी बनाई थी; नारा था- दलबदलू नेताओं को नकारो

कोलकाता/नई दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के विलय के बाद नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) चर्चा में है। रिकॉर्ड के अनुसार, 3 साल पहले 2023 में बंगाल के उत्तिया कुंडू और शेउली कुंडू नाम के कपल ने पार्टी की नींव रखी थी।पार्टी के डॉक्यूमेंट्स में उत्तिया कुंडू पार्टी के अध्यक्ष हैं। पत्नी शेउली का नाम कोषाध्यक्ष के रूप में दर्ज है। NCPI अध्यक्ष उत्तिया ने 13 मई को फेसबुक पर बंगाल ष्टरू शुभेंदु अधिकारी के साथ अपनी फोटो शेयर करते हुए उन्हें मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी थी।

हावड़ा में NCPI का ऑफिस है, जहां सोमवार को सुरक्षाबलों की तैनाती दिखी। ऑफिस के गेट पर उत्तिया ने खुद को बंगाली न्यूजपेपर का एडिटर और टीचर बताया है। वहीं उनकी पत्नी शेउली को कलकत्ता हाईकोर्ट की वकील बताया गया है।

'इंदिरा गांधी होतीं तो बीजेपी को बैन कर देतीं' अशोक गहलोत के बयान पर सियासी बवाल

नई दिल्ली/जयपुर,एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाकर नए विवाद को जन्म दे दिया है। उन्होंने कहा कि अगर आज इंदिरा गांधी जिंदा होतीं तो बीजेपी को बैन कर दिया होता।इस पर पलटवार करते हुए बीजेपी ने कांग्रेस पर हिंदुओं के प्रति नफरत रखने और मुसलमानों का पक्ष लेने का आरोप लगाया है। कल जयपुर में एक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए गहलोत ने दावा किया कि आज देश का माहौल बेहद खतरनाक है, ऐसा उन्होंने

अपने 50 साल के सार्वजनिक जीवन में कभी नहीं देखा।

अशोक गहलोत ने क्या कहा?

उन्होंने कहा, 'अगर इंदिरा गांधी जैसी नेता आज जिंदा होतीं तो वह बीजेपी जैसी पार्टी पर प्रतिबंध लगा देतीं। मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि आज का माहौल बेहद खतरनाक है। अगर देश अब भी नहीं जागा तो देश के लोगों को ही बाद में इसके नतीजे भुगतने पड़ेंगे। 'राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे आरोप लगाया कि आज सत्ता में बैठे लोग जानबूझकर धार्मिक ध्रुवीकरण कर रहे हैं।

ट्रम्प ने जन्मदिन पर व्हाइट हाउस में यूएफसी फाइट कराई

अब तक का सबसे महंगा शो, 567 करोड़ खर्च; जीत के बाद विजेता राष्ट्रपति से मिला

वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में अल्टीमेट फाइटिंग चैम्पियनशिप यानी UFC मुकाबलों के साथ अपना 80वां जन्मदिन मनाया। स्नष्ट ने इस आयोजन पर करीब 6 करोड़ डॉलर (567 करोड़ रुपए) खर्च किए। ये अब तक का सबसे महंगा स्नष्ट आयोजन माना जा रहा है।

इस फाइट कार्ड में कुल 7 मुकाबले हुए। मेन फाइट लाइटवेट चैंपियन रहे इलिया टोपुरिया और जस्टिन गेथजे के बीच हुई। 4 राउंड तक चले

मुकाबले में अमेरिकी फाइटर गेथजे ने अपने स्पेनिश विरोधी टोपुरिया को हराकर उलटफेर किया।गेथजे को लाइटवेट टाइटल बेल्ट मिली, जबकि टोपुरिया को अपने करियर की पहली हार मिली। मुकाबले देखने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उनके कई सीनियर अफसर, खास मेहमान और हजारों सैन्यकर्मी मौजूद थे।पहले मुकाबले में बो निकल ने पहले ही राउंड में काइल डाउकस को नॉकआउट कर दिया।

उन्होंने एक जोरदार लेफ्ट हुक और राइट पंच से प्रतिद्वंद्वी को गिराया, जिसके बाद रेफरी ने मुकाबला रोक दिया। जीत के तुरंत बाद बो निकल रिंग से बाहर आए और सीधे राष्ट्रपति ट्रम्प के पास पहुंचे। दोनों ने हाथ मिलाया और कुछ देर बातचीत की।

मुंबई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी निकली फर्जी, पुलिस ने दर्ज किया मामला

मुंबई,एजेंसी। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (CSMIA) को बम से उड़ाने की धमकी भरे एक ईमेल ने सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मचा दिया। शनिवार को मिले इस धमकी भरे ईमेल के बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते (BDS) ने एयरपोर्ट पर एक बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया। हालांकि, गहन जांच के बाद इस धमकी को केवल एक अफवाह घोषित कर दिया गया।

अज्ञात व्यक्ति की तरफ से आया था ईमेल

सहार पुलिस के मुताबिक, शनिवार को एक अज्ञात व्यक्ति की तरफ से एयरपोर्ट प्रशासन को यह ईमेल मिला था, जिसमें पूरे एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की बात कही गई थी। इसके तुरंत बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और उन्होंने एयरपोर्ट परिसर व उसके आसपास के सभी इलाकों में चप्पे-चप्पे की तलाशी ली।

जांच में नहीं मिला कुछ भी संदिग्ध

रविवार को अधिकारियों ने बताया कि जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है और यह धमकी पूरी तरह फर्जी थी। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और धमकी भरा ईमेल भेजने वाले अज्ञात शख्स की तलाश शुरू कर दी है।

मूर्ति नग्न थी, NCERT ने ढंककर छापी

कांसे की प्रतिमा 1926 में मोहनजोदड़ो की खुदाई में मिली थी, अभी नेशनल म्यूजियम में

नई दिल्ली,एजेंसी।मोहनजोदड़ो की खुदाई में मिली कांसे की नर्तकी की मूर्ति की फोटो बदले हुए रूप में छापी गई है। NCERT की किताब में मूर्ति के ढंके धड़ वाली फोटो है। मूर्ति का रंग भी बदल दिया गया है।

द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, नर्तकी की तस्वीर 9वीं की किताब 'मधुरिमा' के पहले चैप्टर 'हिस्ट्री ऑफ आर्ट्स' में दी गई है। तस्वीर में कंधे से नीचे का हिस्सा ढंक दिया गया है, जबकि मूल मूर्ति में यह हिस्सा खुला दिखाई देता है। 25 साल से छप रही इस कांस्य मूर्ति के मूल स्वरूप में पहले कभी बदलाव नहीं किया गया था।

यह किताब NCERT की नई आर्ट्स एजुकेशन सीरीज का हिस्सा है, जिसे नई शिक्षा नीति (NEP) और नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (NCF) के तहत तैयार किया गया है। अब तक क्लास 1 से 9 तक की किताबें जारी की जा चुकी हैं।

इतिहासकार बोले- यह सेंसरशिप है

इतिहासकार मिशेल डैनिनो ने तस्वीर में किए गए बदलाव को छात्रों के साथ अन्याय बताया। उन्होंने कहा कि मूर्ति के पूरे धड़ को ढंकना सेंसरशिप है। इससे ऐसी मूर्ति दिखाई गई है, जो असल में कहीं मौजूद नहीं है।

डैनिनो ने सवाल उठाया कि क्या अब छात्रों को नेशनल म्यूजियम में रखी मूल प्रतिमा और दूसरी अर्धनग्न या नग्न ऐतिहासिक मूर्तियां देखने से भी रोका जाएगा।

डॉ. राशिद बोलीं- आप पीएम बनें

जेवर एयरपोर्ट से पहली फ्लाइट शुरू

जमीन देने वाले किसान लखनऊ पहुंचकर योगी से मिले

नोएडा/लखनऊ,एजेंसी। नोएडा के जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू हो गई हैं। सोमवार को लखनऊ से इंडिगो की फ्लाइट पहली बार यहां उतरी। वाटर कैनन से फ्लाइट को सलामी दी गई। यह फ्लाइट 161 यात्रियों को लेकर बेंगलुरु जाएगी।

दूसरी फ्लाइट से एयरपोर्ट निर्माण के लिए अपनी जमीन देने वाले 20 महिलाओं समेत 170 किसान नोएडा से लखनऊ पहुंचे और सीएम योगी से मुलाकात की।

इस दौरान डॉक्टर हेरा राशिद ने सीएम योगी से कहा-

जिस भूमि पर मेरे पिता अन्न उगाते थे, आज उसी भूमि से उड़ान भरकर मैं आपसे मिलने आई हूं। एक समय ऐसा था, जब पढ़ने की सुविधा नहीं थी। जैसे-जैसे विकास हुआ, हमारे क्षेत्र में तरक्की बढ़ी और सुविधाएं आईं। मैंने बिना कोचिंग के नीट निकाला। ये सब आपकी वजह से हुआ। मैं चाहती हूं कि आप भविष्य में प्रधानमंत्री बनें।

इससे पहले लखनऊ एयरपोर्ट पर व्हीलचेयर से विमान से पहुंचीं किसान कमलेश ने कहा- बहुत अच्छा लग रहा है। किसान रीता ने कहा- मैंने चार बीघा जमीन दी थी। पहली बार फ्लाइट में बैठी थी। बहुत मजा आया। 7 घंटे का सफर 1 घंटे में पूरा हुआ। हम लोग राम मंदिर के दर्शन भी करेंगे।

वहीं, किसान शमे मोहम्मद ने कहा-

हम बड़े आनंद से आए हैं। सीएम तो पहले भी बहुत आए, लेकिन ऐसा पहली बार किसी ने किया है। किसानों को फ्लाइट से सफर किसी ने नहीं करवाया। एयरपोर्ट का उद्घाटन पीएम मोदी ने 28 मार्च को किया था। पहले फेज का काम पूरा हो गया। इसमें करीब 3300 एकड़ जमीन पर टर्मिनल और रनवे बनाए हैं। इस प्रोजेक्ट पर 11 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। एयरपोर्ट को 4 फेज में बनाया जा रहा है। काम पूरा होने के बाद यह एशिया का सबसे बड़ा और दुनिया का छठा बड़ा एयरपोर्ट होगा। एयरपोर्ट का शिलान्यास 25 नवंबर 2021 को किया गया था। यानी 5 सालों में एयरपोर्ट बनकर तैयार हुआ है। यहां से हर साल लगभग 1.2 करोड़ यात्री सफर कर सकेंगे।

फरीदाबाद के अस्पताल में लापरवाही: गर्भ में मृत शिशु, फिर भी इलाज को चार दिन भटके दंपती

फरीदाबाद, एजेंसी। जिले के सरकारी अस्पताल में जच्चा-बच्चा के इलाज में लापरवाही के मामले लगातार आ रहे हैं, मगर डाक्टरों और कर्मचारियों की अनदेखी सिरदर्द बन रही है। उच्च अधिकारियों के सुधार संबंधी निर्देश पर अमल नहीं किया जा रहा है। ऐसे में गर्भवती के साथ उनके स्वजन भी परेशान होते हैं। कई बार जोखिम का सामना करना पड़ता है। 16 मई को सेक्टर-तीन के स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती द्वारा गेट के पास डिलवरी के मामले के बाद अब एक और लापरवाही का मामला सामने आया है, जिसमें महिला चार दिन से गर्भ में मृत शिशु को लेकर भटकती रही लेकिन उसे सही और समय पर इलाज नहीं मिला। मलेरना रोड, बल्लभगढ़ निवासी उमेश शर्मा की छह माह की गर्भवती पत्नी सीमा शर्मा के साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ है। सीमा के गर्भ में शिशु की मौत होने के बाद उनका परिवार पिछले चार दिन से इलाज के लिए अस्पतालों के चक्कर काट रहा है। पहले उमेश अपनी पत्नी सीमा को बल्लभगढ़ सरकारी अस्पताल लेकर गए थे। गर्भावस्था से ही सीमा का बल्लभगढ़ में इलाज चल रहा था। उमेश शर्मा की आर्थिक स्थिति कमजोर है और वह आटो रिक्शा

चलाते हैं। उमेश ने बताया कि उनकी पत्नी सीमा को चार दिन पहले गर्भ में पल रहे शिशु की मूवमेंट महसूस होनी बंद हो गई थी। इसके बाद वह उन्हें बल्लभगढ़ सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कहा, लेकिन अस्पताल में यह जांच नहीं हो सकी। मजबूरी में निजी केंद्र जाकर अल्ट्रासाउंड कराया, जिसमें शिशु की मौत होने की पुष्टि हुई।

बोले टेस्ट कराकर लाओ: उमेश ने बताया कि अस्पताल की ओर से उन्हें अलग-अलग लिवर, किडनी, हीमोग्लोबिन सहित कंप्लीट ब्लड काउंट व अन्य टेस्ट कराने को कहा गया। समय पर इलाज और सही जानकारी नहीं मिलने से उनकी पत्नी की हालत बिगड़ने लगी। उमेश ने बताया कि शनिवार देर रात बल्लभगढ़ अस्पताल से यह कह कर नागरिक अस्पताल रेफर कर दिया गया कि वहां ब्लड बैंक की सुविधा नहीं है। उमेश ने बताया कि नागरिक अस्पताल पहुंचने पर पहले भर्ती करने से मना कर दिया गया। बाद में जब हो-हल्ला किया और मीडिया बुलाने की बात कही तो भर्ती किया गया, लेकिन फिर से ब्लड के कई टेस्ट कराने को लिख दिए। उन्हें बताया गया कि बल्लभगढ़ में किए टेस्ट की रिपोर्ट को नहीं माना जा सकता। उमेश ने बताया कि निजी लैब में कराई गए टेस्ट के चक्कर में उनकी काफी पूंजी भी खर्च हो चुकी है।

बोले, अल्ट्रासाउंड कराकर लाओ: उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जिला नागरिक अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सुविधा होने के बाद भी उन्हें बाहर से जांच कराने के लिए कहा गया। उमेश के स्वजन का कहना है कि गर्भ में मृत शिशु होने से संक्रमण का जोखिम बना हुआ है। फिलहाल सीमा का इसी जिला नागरिक अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एसएमओ से की शिकायत: उमेश शर्मा ने इस मामले में अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा. विकास गोयल से भी शिकायत की।

लापरवाही के मामले में कर्मचारी की सेवा की गई थी समाप्त

16 मई को बड़ौली गांव निवासी देवेंद्र चंदीला अपनी गर्भवती पत्नी बलेश को सेक्टर–तीन के प्रजनन एवं स्वास्थ्य शिशु केंद्र (एफआरयू–दो) लाए थे। बलेश की सास भी साथ में थी। यहां देखा कि केंद्र का गेट बंद था। अंधेरा भी था। उन्होंने काफी देर दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई बाहर नहीं आया। गर्भवती की सास ने स्थिति को संभाला। मोबाइल की टार्च में ही डिलीवरी हुई। उच्च अधिकारियों तक शिकायत पहुंची तो इस मामले में जांच हुई और अनुबंध के तहत सेवा देने वाले एक कर्मचारी की सेवाएं समाप्त कर दी गईं। बाद में कर्मचारी एसोसिएशन ने कर्मचारी की नौकरी बहाली के मुद्दे पर कई दिन आंदोलन किया तो उसे नौकरी पर वापस ले लिया गया।

उच्च अधिकारी जता चुके हैं नाराजगी : पिछले डेढ़ महीने में स्वास्थ्य निदेशक डा. विरेंद्र यादव, डा. सविता यादव तथा डा. ब्रह्मदीप सिंह के साथ ही कई बार अतिरिक्त उपायुक्त अंजलि तथा बड़खल के एसडीएम त्रिलोक चंद नागरिक अस्पताल की बिगड़ी व्यवस्था पर नाराजगी जता चुके हैं। साथ ही सुधार के निर्देश भी दिए गए हैं।

युवक को चाकू से गोदा, सड़क पर खून से लथपथ पड़ा मिल युवक, गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी जिला के शकरपुर इलाके में शनिवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने एक युवक को चाकू से गोद दिया। देर रात युवक मदर डेयरी फ्लाईओवर पर खून से लथपथ पड़ा मिला। राहगीरों ने उसे घायल पड़ा देखा तो नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीर होने पर उसे एक अन्य निजी अस्पताल ले जाया गया। युवक की हालत बिगड़ी तो एंबुलेंस की मदद से युवक को एलएनजेपी अस्पताल रेफर कर दिया। घायल की पहचान मोहित तिवारी (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके परिवार को खबर दी। बाद में छानबीन के बाद हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से पड़ताल की जा रही है। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि शनिवार देर रात उनकी टीम को 1.45 बजे खबर मिली कि मदर डेयरी फ्लाईओवर पर एक युवक को चाकू मारा गया है। सूचना मिलते ही शकरपुर थाने की टीम मौके पर पहुंची। टीम वहां पहुंची तो मौके पर काफी खून बिखरा मिला। बाद में पुलिस को घायल के एक निजी अस्पताल ले जाने का पता चला। मोहित परिवार के साथ पांडव नगर के गणेश नगर इलाके में रहता है और प्राइवेट नौकरी करती है। पुलिस उसके सीडीआर से भी पड़ताल कर रही है।

जान-पहचान बनाकर उधार लिए पैसे नहीं चुकाए, हापुड़ की महिला को 6 महीने कैद की सजा

गाजियाबाद, एजेंसी। विशेष न्यायालय (एनआइ एक्ट) ने चेक बाउंस के मामले में हापुड़ निवासी महिला रजिया को दोषी करार दिया है। अदालत ने महिला को छह माह की साधारण कारावास और एक लाख 65 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई। रजिया ने रविंद्र कुमार से जान पहचान करके उधार पैसे लेकर दो बार चेक दिए थे जो बाउंस हो गए। हापुड़ जिले के पिपलेड़ा गांव निवासी रविंद्र कुमार की गांव में परचून की दुकान है। दुकान पर नियमित रूप से आने-जाने के कारण उसकी रजिया और उसके परिवार से अच्छी जान-पहचान हो गई थी। रविंद्र कुमार का आरोप था कि वर्ष 2019 में रजिया ने अपनी जरूरत बताते हुए दो लाख रुपये की मदद मांगी। इस पर उसने 40 हजार रुपये का चेक और एक लाख रुपये नकद देकर कुल 1.40 लाख रुपये उधार दिए। बदले में रजिया ने नौ माह में रकम लौटाने का वादा किया था। तय समय बीतने के बाद भी रकम वापस नहीं की गई। कई बार तकादा करने पर रजिया ने 30 मई 2021 का 1.40 लाख रुपये का चेक दिया।

दूसरी बार भी बाउंस हो गया चेक: यह चेक जून 2021 में बैंक खाते में पर्याप्त धनराशि न होने के कारण वापस लौट आया। बाद में आरोपित महिला के आश्वासन पर चेक दोबारा बैंक में लगाया गया, लेकिन दूसरी बार भी बाउंस हो गया। इसके बाद पीड़ित ने विधिक नोटिस भेजा। आरोपित पक्ष ने दावा किया कि यह चेक सुरक्षा के तौर पर दिया गया था और वास्तविक लेनदेन उसके पति रियाजुद्दीन और वादी के बीच हुआ था। अदालत ने यह भी माना कि आरोपित पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि चेक केवल सुरक्षा के लिए दिया गया था। अदालत ने रजिया को छह माह की साधारण कारावास और एक लाख 65 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना अदा नहीं करने पर महिला को 20 दिन की अतिरिक्त कारावास भुगतनी होगी। जुर्माना की राशि में से एक लाख 55 हजार रुपये परिवादी को प्रतिकर के रूप में दिया जाएगा।

अमेरिका ने दी सफाई : जहाज पर हमले से पहले 60 बार दी थी चेतावनी, अटैक में तीन भारतीयों की गई थी जान

वॉशिंगटन, एजेंसी। जहाज पर हमले और उसमें तीन भारतीयों की मौत के बाद भारत ने कड़ी नाराजगी जताई। चौतरफा घिरने के बाद अब अमेरिका ने सफाई दी है। अमेरिका के एक अधिकारी ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में पालाऊ के झंडे वाले जहाज पर हमले से पहले लगभग 60 मौखिक चेतावनियां दी थीं। एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से न्यूज एजेंसी एपी ने बताया कि चेतावनियों के बाद कम-से-कम आठ बार जहाज को शक्ति प्रदर्शन के जरिए भी आगाह किया गया था। इसके बावजूद भी जब जहाज ने अमेरिकी निर्देशों की अनदेखी की, तो उस पर हमला किया गया। इस हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी। जिसे लेकर भारत ने अमेरिका के सामने नाराजगी भी जाहिर की थी। रिपोर्ट के अनुसार, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी सेना ने जहाज को रोकने के लिए फ्लेयर्स दागे, युद्धक विमानों से कई बार उड़ान भरवाई और गोलीबारी से पहले दो अंतिम चेतावनियां भी जारी कीं। इसके बाद अमेरिकी सेना के एक विमान ने जहाज के इंजन कक्ष को निशाना बनाते हुए हमला किया, ताकि जहाज को निष्क्रिय किया जा सके। इसी कार्रवाई में तीन भारतीय चालक दल के सदस्यों की मौत हुई।

शैडो फ्लीट का हिस्सा होने का दावा: अमेरिकी अधिकारी ने दावा किया कि जिस जहाज पर हमला हुआ, वह तथाकथित शैडो फ्लीट का हिस्सा था, जिसका उपयोग ईरानी तेल के अवैध परिवहन और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचने के लिए किया जाता रहा है।

मुंबई में बिना बेहोश किए घायल कोबरा का हुआ दुर्लभ सीटी स्कैन, ठीक होने के बाद जंगल में छोड़ा गया

मुंबई, एजेंसी। चेंबूर में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर घायल हुए एक वयस्क इंडियन स्पेक्टेकल्ड कोबरा का 'फ्रेडना वेट डायग्नोस्टिक्स' में एक अनोखा और सफल सीटी स्कैन किया गया है। पशु चिकित्सकों ने अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए दुर्लभ और सफल सीटी स्कैन किया, ताकि उसकी चोटों का पूरी तरह इलाज हो सके। बिना जनरल एनेस्थीसिया (बेहोश किए) के कोबरा को शांत रखकर किए गए इस स्कैन के जरिए उसकी रीढ़ की चोटों का सटीक इलाज किया गया। पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद इस कोबरा को सुरक्षित वापस जंगल में छोड़ दिया गया है, जिसे वाइल्डलाइफ थेरेपी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

सीटी स्कैन के दौरान क्या-क्या थी चुनौतियां: चेंबूर में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर बीच के हिस्से जख्मी हुए इस इंडियन स्पेक्टेकल्ड कोबरा को पशु चिकित्सक डॉ. दीपा कात्याल ने सीटी स्कैन कराने के लिए नवी मुंबई भेजा था। सीटी स्कैन के दौरान कोबरा को स्थिर रखना एक चुनौती थी। स्नड्रुष्ठ की टीम के एक सदस्य ने कहा कि यह स्कैन विदेशी और जंगली जानवरों के इलाज में अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक इमेजिंग के इस्तेमाल की दिशा में एक अहम कदम है।

ठीक होने के बाद जंगल में छोड़ा गया सांप

एक जीवित सरीसृप (रेप्टाइल) की इमेजिंग करने में आने वाली प्राकृतिक चुनौतियों को देखते हुए, इस प्रक्रिया से पहले कोबरा को एक विशेष 'लोकल नर्व ब्लॉक' (स्थानीय सुन्न करने वाला इंजेक्शन) दिया गया। इसकी मदद से सांप को बिना जनरल एनेस्थीसिया (पूरी तरह बेहोश किए) दिए ही, बेहद सुरक्षित और मानवीय तरीके से एक जगह स्थिर करके टेप से बांधना संभव हो सका। ठीक होने के बाद, कोबरा सांप को जंगल में छोड़ दिया गया। इस अनूठी चिकित्सा प्रक्रिया को लेकर फ्रेडना वेट डायग्नोस्टिक्स टीम के एक सदस्य ने कहा, 'यह मामला सरीसृपों और विदेशी जीवों की चिकित्सा में 'एडवांस्ड इमेजिंग' की बढ़ती अहमियत को साबित करता है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, कर्नाटक के दो अधिकारियों से जुड़े मानहानि विवाद को मध्यस्थता के लिए भेजा

बेंगलुरु, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के कर्नाटक कैडर की अधिकारी रोहिणी सिंदूरी और भारतीय पुलिस सेवा की अधिकारी डी रूपा मौदगिल के बीच लंबे समय से जारी मानहानि विवाद को मध्यस्थता के लिए भेज दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस लंबी कानूनी लड़ाई से दोनों वरिष्ठ सिविल सेवकों के करियर को नुकसान हो रहा है। न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की अवकाशकालीन पीठ ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश कुरियन जोसेफ को अधिकारियों के बीच आपसी सहमति से समझौता कराने के लिए मध्यस्थ नियुक्त किया।

मध्यस्थता के जरिए विवाद सुलझाने की सलाह: न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि आईएएस और आइपीएस दोनों अधिकारी एक-दूसरे का करियर बर्बाद कर रही हैं। पीठ ने कहा कि उसकी राय है कि विवाद को लगातार मुकदमेबाजी के बजाय मध्यस्थता के जरिये सुलझाया जा सकता है। पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश कुरियन जोसेफ को मध्यस्थ नियुक्त किया जाता है। संबंधित पक्षों को न्यायमूर्ति जोसेफ के समक्ष पेश होना होगा। साथ ही कहा कि अंतरिम राहत के तौर पर दोनों पक्षों के बीच चल रहे दोनों मामलों में आगे की कार्यवाही पर रोक रहेगी।यह विवाद 2023 में दोनों अधिकारियों की ओर से एक-दूसरे पर सार्वजनिक रूप से लगाए गए आरोपों से शुरू हुआ, जिसके बाद उन्होंने मानहानि के मुकदमे दायर किए। मौदगिल की शिकायत पर शुरू की गई आपराधिक मानहानि की कार्यवाही को चुनौती देने वाली सिंदूरी की याचिका को कर्नाटक हाई कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने के बाद यह मामला शीर्ष अदालत पहुंचा।

पिस्तौल के साथ युवक गिरफ्तार, लंबे समय से फैला रहा था दहशत

बरपेटा (असम), एजेंसी। बरपेटा जिले के कलगाछिया क्षेत्र के गुणियालगुरी में एक युवक को पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान बापूजी नगर निवासी नजरूल हक के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार नजरूल हक हाथ में पिस्तौल लेकर लंबे समय से लोगों को धमकाकर क्षेत्र में दहशत का माहौल बना रहा था। उसकी गतिविधियों से क्षेत्र के लोग भयभीत थे। रविवार को सतर्क ग्रामीणों ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया और पिस्तौल सहित कलगाछिया पुलिस के हवाले कर दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नजरूल हक के साथ दो अन्य युवक भी गुणियालगुरी में आतंक और भय का माहौल बनाने में शामिल थे।

पुतिन और जेलेंस्की ने की ट्रंप से फोन पर बातचीत: रूस बोला- जी-7 शिखर सम्मेलन में होगी यूक्रेन युद्ध पर चर्चा

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अलग-अलग फोन पर बातचीत की। यह बातचीत ऐसे समय हुई, जब ट्रंप अपना 80वां जन्मदिन मना रहे हैं। वहीं, यूक्रेन युद्ध इस सप्ताह होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन से पहले प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। रूसी राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव के अनुसार, पुतिन और ट्रंप के बीच बातचीत लगभग एक घंटे तक चली। उशाकोव ने पत्रकारों को बताया कि यूक्रेन के मुद्दे पर ट्रंप ने शत्रुता खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि वह इस दिशा में यूरोपीय सहयोगियों और कीव को प्रभावित करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने संकेत दिया कि आगामी जी-7 शिखर सम्मेलन में भी इस मुद्दे पर चर्चा होगी।

पुतिन और ट्रंप के बीच हुई क्या बातचीत: उशाकोव के अनुसार, ट्रंप ने यह भी कहा कि रूस में नागरिक ठिकानों पर हाल के हमलों ने समाधान की प्रक्रिया को और जटिल बना दिया है। हालांकि व्हाइट हाउस ने इस बयान की पुष्टि नहीं की है और न ही बातचीत पर कोई टिप्पणी की है। उशाकोव ने कहा कि ट्रंप का मानना है कि युद्ध का जल्द अंत होने से अमेरिका और रूस के संबंधों में वास्तव में एक नए स्तर की शुरुआत हो सकती है। उन्होंने बताया कि पुतिन ने बातचीत में कहा कि यूक्रेन द्वारा रूस के नागरिक बुनियादी ढांचे पर किए गए हमले युद्धक्षेत्र की स्थिति नहीं बदल सकते। उन्होंने यह भी कहा कि अगर जेलेंस्की उनसे मिलना चाहते हैं तो उन्हें मॉस्को आना चाहिए। ट्रंप के विशेष दूत विटकॉफ और दामाद कुशनर कर सकते हैं रूस का दौरा उशाकोव ने बताया कि अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर जल्द ही रूस की यात्रा कर सकते हैं। दोनों नेताओं ने ईरान के मुद्दे पर भी चर्चा की।

उशाकोव के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौता करीब है और उन्हें उम्मीद है कि वार्ता के परिणाम जल्द सार्वजनिक किए जा सकते हैं।

जयपुर की कला ने फ्रांस को मोहा: पीएम मोदी-मैक्रों ने की कलाकृतियों की तारीफ

नीस, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रविवार को एक बेहद अनोखी प्रदर्शनी देखी। दोनों बड़े नेताओं ने दो फ्रांसीसी कलाकारों की बनाई सुंदर कलाकृतियों का दीदार किया। ये कलाकार कुछ समय पहले भारत आए थे। उन्होंने जयपुर की एक कला रेजीडेंसी में हिस्सा लिया था। वहां रहकर उन्होंने भारतीय संस्कृति को करीब से जाना। इसके बाद उन्होंने भारत के रंगों को अपनी कला में उतारा।

जयपुर की यादों से सजी कला: प्रधानमंत्री मोदी इस समय फ्रांस के दौरे पर हैं। वे यहां जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने आए हैं। इसी दौरान उन्होंने राष्ट्रपति मैक्रों के साथ दोनों कलाकारों से मुलाकात की। इन कलाकारों के नाम थिबॉल्ट डी ला लांस और थियोफाइल डी बास्चर हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं।

उन्होंने बताया कि ये कलाकार पहली बार भारत आए थे। उन्हें भारत की कला और संस्कृति बहुत पसंद आई।

ट्रंप की घोषणा के बाद तेल बाजार में नरमी; जानिए डील से जुड़े अब तक के बड़े अपडेट्स

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान दोनों देशों ने शांति समझौते पर सहमति बनने का दावा किया है। इस घटनाक्रम के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों, कूटनीतिक गलियारों और ऊर्जा क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एलान के बाद जहां तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, वहीं कई देशों ने इस समझौते का स्वागत भी किया।

1. ईरान ने अमेरिका के साथ शांति समझौते की पुष्टि की: ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने अमेरिका के साथ शांति समझौते की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि तेहरान प्रस्तावित 60 दिन की वार्ता अवधि में अंतिम समझौते के लिए तभी प्रवेश करेगा, जब वह शत्रुता समाप्त करने, नाकाबंदी हटाने और ईरानी संपत्तियों को जारी करने संबंधी वॉशिंगटन की प्रतिबद्धताओं का सत्यापन कर लेगा। ईरान के सरकारी संबद्ध प्रेस टीवी के अनुसार, गरीबाबादी ने कहा कि समझौते पर आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह शुक्रवार को होगा, जिसके बाद समझौता ज्ञापन (MoU) सार्वजनिक किया जाएगा।

2. कच्चे तेल कीमतों में बड़ी

गिरावट: अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर सकारात्मक संकेत मिलने के बाद अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ समझौता पूरा होने का दावा किए जाने के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होने की उम्मीद बढ़ी, जिसका सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों पर दिखाई दिया। रविवार को वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 3.9 प्रतिशत गिरकर 84 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। वहीं अमेरिकी क्रूड में 4.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और इसकी कीमत लगभग 81 डॉलर प्रति बैरल रह गई।

3. ब्रिटेन और संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने दी प्रतिक्रिया: ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली तकनीकी वार्ताओं का समर्थन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब ध्यान समझौते को प्रभावी रूप से लागू करने पर होना चाहिए, ताकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पूरी तरह और स्थायी रूप से खुला रह सके। स्टार्मर ने अपने बयान में यह भी कहा कि इस जलमार्ग में 'टोल-फ्री नेविगेशन' की सुविधा तुरंत बहाल की जानी चाहिए, जिससे वैश्विक व्यापार और तेल आपूर्ति को स्थिरता मिल सके। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का स्वागत किया है। उन्होंने इसे संघर्ष के तत्काल और स्थायी समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। गुटेरेस ने पाकिस्तान, कतर, मिस्र, सऊदी अरब, तुर्की सहित कई क्षेत्रीय देशों की सराहना की, जिन्होंने इस समझौते तक पहुंचने में रचनात्मक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि यह समझौता आगे की वार्ताओं के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है।

4. कतर ने समझौते का किया स्वागत: कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (Mo) का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते के लिए अनुकूल माहौल बनाने में योगदान देने वाले सभी क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय पक्षों का धन्यवाद किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी वार्ताएं सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में आगे बढ़ेंगी और इस प्रगति को और मजबूत करेंगी।

5. जेडी वेंस के समारोह में शामिल होने की संभावना: अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रविवार को कहा कि वह वाशिंगटन और तेहरान के बीच होने वाले मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (MoU) के औपचारिक हस्ताक्षर समारोह में शामिल होने की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि, अंतिम निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निर्भर करेगा कि वह स्वयं इसमें शामिल होते हैं या नहीं। जेडी वेंस ने फॉक्स न्यूज को दिए एक फोन इंटरव्यू में बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां अभी अंतिम चरण में नहीं हैं। और लॉजिस्टिक्स पर काम जारी है। उन्होंने कहा कि वह स्वयं समारोह में मौजूद रहेंगे, लेकिन यह भी संभव है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी वहां उपस्थित हों।

व्हाइट हाउस की ओर से अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि अमेरिका का प्रतिनिधित्व कौन करेगा, क्योंकि सुरक्षा

6. ट्रंप ने नाकेबंदी हटाने और होर्मुज को पूरी तरह से मुक्त करने का किया एलान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि इस्लामिक गणराज्य ईरान के साथ समझौता पूरी तरह संपन्न हो चुका है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि अब अमेरिका की ओर से नौसैनिक नाकेबंदी को तुरंत प्रभाव से हटा दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरी तरह से मुक्त कर दिया गया है, ताकि वैश्विक जहाजों की आवाजाही बिना किसी बाधा के हो सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा कि ईरान के साथ हुआ यह समझौता पूरे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर दें विशेष ध्यान : कलेक्टर

समय-सीमा बैठक में जनकल्याण शिविर, बाढ़ तैयारी, शिक्षा व्यवस्था, सीएम हेल्पलाइन और स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर विकास मिश्रा ने शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं जनहित से जुड़े मामलों तथा विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन को योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समय पर और प्रभावी ढंग से मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्रत्येक गतिविधि का केंद्र बिंदु आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव होना चाहिए बैठक में कलेक्टर ने जनकल्याण शिविरों की समीक्षा करते हुए कहा कि शिविरों के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। शिविरों में प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण हो तथा पात्र हितग्राहियों को बिना किसी विलंब के लाभान्वित किया जाए स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा के दौरान

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना सहित सभी स्वरोजगार योजनाओं के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने की ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके और वे आत्मनिर्भर बन सकें। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर चल रहे जनसुझाव अभियान का उल्लेख करते हुए कलेक्टर ने कहा कि यह महत्वपूर्ण विषय है और सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को भी अपने सुझाव निर्धारित माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए, ताकि व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके साथ ही नागरिकों से अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए बाढ़ एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, राहत एवं बचाव संसाधनों की उपलब्धता तथा आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी इंतजाम समय रहते पूरे कर लिए जाएं, जिससे किसी भी आपात स्थिति का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके बैठक में आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की भी समीक्षा की गई कलेक्टर ने बताया कि जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा उन्होंने कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने तथा अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जनसुनवाई में विभाग प्रमुख स्वयं रहें उपस्थित कलेक्टर ने कलेक्टर समाधान एवं जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों की समस्याओं का संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ समाधान किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक मंगलवार आयोजित जनसुनवाई में सभी विभाग प्रमुख स्वयं उपस्थित रहेंगे किसी भी अधिकारी के स्थान पर प्रतिनिधि की उपस्थिति स्वीकार नहीं की जाएगी जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने लंबित शिकायतों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का केवल औपचारिक निराकरण नहीं बल्कि संतुष्टिपूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी बैठक में निर्माणाधीन आंगनवाड़ी केंद्रों तथा विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण निर्माण के साथ समयबद्धता का भी विशेष ध्यान रखा जाए पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए नवाचार आधारित प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने की दिशा में विभाग योजनाबद्ध तरीके से कार्य करे और अधिकाधिक पशुपालकों को लाभान्वित करे खरीफ सीजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था पर सतत निगरानी रखी जाए तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए एसडीएम करेंगे छात्रावासों का नियमित निरीक्षण नए शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ होने के मद्देनजर विद्यालयों एवं छात्रावासों की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी संस्थानों में स्वच्छ पेयजल, क्रियाशील शौचालय, विद्युत व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

को-प्रेंडली रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं एवं यूसीसी वाद-विवाद प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को स्टार ऑफ द मंथ से किया गया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इको-प्रेंडली रंगोली प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तथा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विषय पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रभावी सहभागिता निभाने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2026 के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विद्यार्थियों द्वारा फूल, पत्तियों एवं टहनियों जैसी प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग कर शहर के प्रमुख स्थलों पर आकर्षक एवं संदेशपरक रंगोलियों का निर्माण किया गया था। विद्यार्थियों की रचनात्मकता एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को देखते हुए प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया
प्रतियोगिता में अबोध बाल शिक्षा निकेतन हाई स्कूल सीधी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की छात्राएं नमी सिंह, जान्हवी पाण्डेय, आस्था सिंह चौहान, श्रुति सिंह, राधा सोनी, महक मिश्रा, गुरुवानी गुप्ता, पलक मिश्रा, सुप्रिया प्रजापति, कृतिका द्विवेदी, सांची द्विवेदी, आयुषी तिवारी, अनन्या तिवारी एवं विजया सिंह पटेल को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए
ज्योति हायर सेकण्डरी स्कूल सीधी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की छात्राएं श्रुति सोनी, प्रिया नामदेव, सुप्रिया नामदेव, अंशु सिंह एवं अंजली सिंह को सम्मानित किया गया वहीं सिद्धभूमि इंटरनेशनल स्कूल पनवार सीधी ने तृतीय स्थान अर्जित किया। विद्यालय की छात्राएं अनुग्या मिश्रा, अग्निशिखा सिंह, वैशाली सिंह, कश्यपी मिश्रा एवं वैश्नवी शुक्ला को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया इ स ी क्रम में सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मड़रिया में 14 जून 2026 को आयोजित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विषयक वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रभावी सहभागिता निभाने वाली भाग्य शर्मा एवं आयुष शुक्ला को भी प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए।

16 जून से 15 अगस्त तक जिले में मत्स्याखेट पूर्णत : प्रतिबंधित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी विकास मिश्रा द्वारा वर्षा ऋतु में मछलियों के प्रजनन एवं वंशवृद्धि को संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से जिले के सभी प्रकार के जल संसाधनों में 16 जून से 15 अगस्त 2026 तक की अवधि को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित किया गया है। यह व्यवस्था म.प्र. नदीय मत्स्योद्योग नियम, 1972 की धारा 3(2) के अंतर्गत लागू की गई है। कलेक्टर ने बताया कि बंद ऋतु के दौरान सभी प्रकार का मत्स्याखेट पूर्णत: निषिद्ध रहेगा। साथ ही मछलियों का क्रय-विक्रय, विनिमय एवं परिवहन भी प्रतिबंधित रहेगा। इस अवधि में नियमों का उल्लंघन करना संज्ञेय एवं दण्डनीय अपराध माना जाएगा उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश शासन, मछली पालन विभाग के ज्ञापन दिनांक 23 जुलाई 1987 के अनुसार ऐसे छोटे तालाब या जल स्रोत, जिनका किसी नदी से कोई संबंध नहीं है और जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें छोड़कर जिले की सभी नदियों एवं जलाशयों में मत्स्याखेट पर पूर्ण प्रतिबंध लागू रहेगा। कलेक्टर ने आमजन से अपील की है कि मछलियों के संरक्षण एवं प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए क्लोज सीजन की अवधि में किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट, मत्स्य क्रय-विक्रय अथवा परिवहन न करें तथा न ही किसी अन्य व्यक्ति को ऐसे कार्यों में सहयोग दें
उन्होंने बताया कि म.प्र. राज्य मत्स्य क्षेत्र (संशोधित) अधिनियम, 1981 की धारा-5 के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध एक वर्ष तक के कारावास अथवा पांच हजार रुपये तक के जुर्माने या दोनों से दंडित किए जाने का प्रावधान है।

खनिज माफिया पर कसेगा शिकंजा, अवैध उत्खनन और परिवहन के विरुद्ध चलेगा सघन अभियान चिन्हित क्षेत्रों में सघन अभियान चलाकर रोकें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी विकास मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई बैठक में अवैध खनन की स्थिति, संवेदनशील क्षेत्रों तथा विभागों द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को संयुक्त रूप से सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध 73 प्रकरण दर्ज किए गए हैं तथा लगभग 30.19 लाख रुपये का अर्थदण्ड वसूल कर शासकीय कोष में जमा कराया गया है। कलेक्टर ने खनिज, राजस्व, पुलिस, वन विभाग एवं

संजय टाइगर रिजर्व के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्रवाई और तेज करने के निर्देश दिए
बैठक में जिले के विभिन्न उपखंडों के ऐसे क्षेत्रों की समीक्षा की गई जहां अवैध रेत उत्खनन की शिकायतें लगातार प्राप्त होती हैं। कलेक्टर ने इन चिन्हित क्षेत्रों में नियमित निगरानी, आकस्मिक निरीक्षण एवं संयुक्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध भंडारण स्थलों पर एकत्रित रेत को जब्त कर नियमानुसार राजसात करने को कहा कलेक्टर ने बिना नंबर प्लेट के खनिज परिवहन करने वाले वाहनों तथा कृषि कार्य के लिए पंजीकृत ट्रैक्टरों से खनिज परिवहन किए जाने के मामलों को गंभीरता से लेते हुए मोटर वाहन अधिनियम के तहत भी कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यक होने पर ऐसे वाहनों का पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही भी की जाए तथा प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में जांच नाके लगाकर सतत निगरानी रखी जाए बैठक में सीमावर्ती जिलों एवं छत्तीसगढ़ राज्य से संभावित अवैध खनिज परिवहन के मामलों पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने सीमावर्ती क्षेत्रों में संचालित रेत खदानों का विधिवत सीमांकन कराने तथा राजस्व एवं खनिज विभाग के अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई की जाए कलेक्टर ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा एवं राजस्व संरक्षण के लिए अवैध खनन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

देवसर बाईपास पर खड़े ट्रक से टकराया ऑटो :चालक समेत चार घायल, सड़क किनारे पार्किंग पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के देवसर क्षेत्र में सोमवार शाम करीब चार बजे एक सड़क हादसा हुआ पश्चिमी बाईपास मार्ग पर एक ऑटो सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया इस हादसे में ऑटो चालक सहित उसमें सवार कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना देवसर के पश्चिमी बाईपास पर हुई जहां लंबे समय से भारी वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग एक समस्या बनी हुई है जिस ट्रक से ऑटो टकराया वह भी सड़क किनारे खड़ा था बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार ऑटो चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और सीधे खड़े ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराया। क्षतिग्रस्त ऑटो को रास्ते से हटाया क्षतिग्रस्त ऑटो को रास्ते से हटाया हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किए जाने की भी सूचना है स्थानीय लोगों का आरोप है कि पश्चिमी बाईपास पर ट्रकों की अवैध और बेतरतीब पार्किंग लंबे समय से जारी है। नो-एंट्री खुलने का इंतजार करते हुए कई ट्रक चालक अपने वाहन सड़क किनारे ही खड़े कर देते हैं इससे आए दिन सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है लोगों ने प्रशासन से इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है यह घटना जियावन थाना क्षेत्र की है जियावन थाना प्रभारी शेष नारायण द्विवेदी ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

सिंगरौली अमलोरी कॉलोनी में दिनदहाड़े गैस सिलेंडर चोरी दरवाजा खोलकर अंदर घुसा नकाबपोश, CCTV में रिकॉर्ड हुई पूरी घटना

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के नवानगर थाना क्षेत्र स्थित एनसीएल अमलोरी परियोजना की आवासीय कॉलोनी में दिनदहाड़े चोरी की वारदात हुई है। सोमवार दोपहर करीब 1:15 बजे एक नकाबपोश कॉलोनी के एमक्यू-231 क्वार्टर से घरेलू गैस सिलेंडर चुराकर ले गया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है शिकायतकर्ता रजनी द्विवेदी ने बताया कि घटना के समय घर का दरवाजा खुला था। इसी का फायदा उठाकर आरोपी युवक मौके पर पहुंचा और गैस सिलेंडर

लेकर फरार हो गया। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी का चेहरा ढंका हुआ दिख रहा है, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है परिजनों ने आशंका जताई है कि आरोपी पहले से ही इलाके की रेकी कर रहा था और घर की गतिविधियों पर नजर रखे हुए था। इस वारदात ने एनसीएल अमलोरी परियोजना की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कॉलोनी में सुरक्षा गार्डों की तैनाती के बावजूद चोर का आसानी से अंदर आना और चोरी कर निकल जाना चिंता का विषय बना हुआ है नवानगर थाना प्रभारी अनिल पटेल ने चोरी की सूचना मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है और सुरक्षा गार्डों से भी पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी के अनुसार, कॉलोनी में सुरक्षा व्यवस्था मौजूद है और पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी कौन है और वह कॉलोनी में कैसे दाखिल हुआ।

श्री संत धाम आश्रम में भक्ति अमृत महोत्सव का समापन, शिव अभिषेक व यज्ञ-हवन के साथ गूंजा हर-हर महादेव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। श्री संत धाम आश्रम में आयोजित भक्ति अमृत महोत्सव का समापन भगवान शिव के दिव्य अभिषेक, वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य यज्ञ-हवन एवं महाआरती के साथ श्रद्धा और भक्तिभावपूर्वक संपन्न हुआ। महोत्सव के अंतिम दिवस पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और उन्होंने भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर धर्म लाभ प्राप्त किया आश्रम के ओम प्रकाश उदासीन एवं विनोद गेलानी ने जानकारी दी कि प्रात:काल शिवलिंग का दुग्ध, दही, घृत, मधु एवं गंगाजल से विधिवत अभिषेक किया गया। इसके पश्चात यज्ञ-हवन में श्रद्धालुओं ने आहुति अर्पित कर विश्व शांति, मानव कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा इस

अवसर पर स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी महाराज ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि भगवान शिव त्याग, तपस्या, करुणा और कल्याण के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि शिव भक्ति मनुष्य के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाती है तथा सेवा, सदाचार और आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है स्वामी जी ने कहा कि सत्संग और सेवा के माध्यम से ही मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होता है। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज का भव्य सम्मान किया गया तथा इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया महोत्सव के दौरान भजन-कीर्तन, संत प्रवचन एवं धार्मिक अनुष्ठानों ने श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की। समापन अवसर पर संतों का सम्मान, महाप्रसाद वितरण एवं भक्तों को आशीर्वाद प्रदान किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी।

राष्ट्रीय चिंतन शिविर (किसान कुंभ) में शामिल होने रीवा के किसानों का जत्था हरिद्वार रवाना, सैकड़ों किसान हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चिंतन शिविर (किसान कुंभ) में भाग लेने के लिए रीवा जिले के किसानों का एक विशाल जत्था हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। यह जत्था यूनियन के जिलाध्यक्ष सुग्रीव सिंह के नेतृत्व में रवाना हुआ, जिसमें सैकड़ों किसान शामिल हैं यह शिविर देशभर के किसान प्रतिनिधियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, जहां कृषि से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य, सिंचाई व्यवस्था, भूमि अधिग्रहण, प्राकृतिक खेती, कृषि नीतियों तथा किसानों के हितों से जुड़े

अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी रीवा जिले से रवाना हुए किसानों में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के युवा जिलाध्यक्ष दिनेश सिंह, तहसील उपाध्यक्ष (सेमरिया) अशोक सिंह, नगर अध्यक्ष प्रीतू विश्वकर्मा, तहसील प्रवक्ता अशोक कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में किसान शामिल हैं। इसके अलावा सुशीला सिंह, मीरा सिंह, मोना पटेल विश्वकर्मा, अमित सिंह (हरदुआ), नीतू सिंह, नागेंद्र सिंह, राजकुमार सिंह, राजेंद्र सिंह, अतुल सिंह, प्रदीप सिंह, आदित्य सिंह (अजगरहा), शिवेन्द्र केवट (इटौरा) सहित अन्य कई किसान भी इस जत्थे में शामिल हुए जत्थे के प्रस्थान से पूर्व जिलाध्यक्ष सुग्रीव सिंह ने कहा कि यह राष्ट्रीय चिंतन शिविर किसानों की समस्याओं और उनके समाधान पर व्यापक चर्चा का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि देशभर से आने वाले किसान प्रतिनिधियों के अनुभव और सुझाव किसानों के हितों की लड़ाई को और अधिक मजबूत करेंगे उन्होंने आगे कहा कि रीवा जिले के किसानों की इस बड़ी भागीदारी से यह स्पष्ट है कि क्षेत्र के किसान अपने अधिकारों और कृषि से जुड़े मुद्दों को लेकर जागरूक और संगठित हैं। सभी किसानों ने इस अवसर पर एकजुट होकर किसान हितों की रक्षा और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करने का संकल्प लिया भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस चिंतन शिविर से प्राप्त विचार और सुझाव किसानों की समस्याओं के समाधान में नई दिशा प्रदान करेंगे तथा राष्ट्रीय स्तर पर किसानों की आवाज को और मजबूती मिलेगी।

बिजली की फिटिंग कर रहा था, परिवार में इकलौता कमाने वाला था ईटार गांव में 23 वर्षीय युवक की मौत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के देवसर क्षेत्र के ईटार गांव में लाइट फिटिंग का काम करते समय एक 23 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई यह घटना सोमवार सुबह की बताई जा रही है पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार, ग्राम गोडीगमा निवासी रामलल्लू विश्वकर्मा (23) ईटार गांव में मनोज द्विवेदी के घर लाइट फिटिंग का कार्य कर रहा था। उसके साथ दो अन्य लोग भी काम में लगे हुए थे। इसी दौरान रामलल्लू गंभीर रूप से घायल हो गया हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। युवक की असमय मौत से परिजनों में गहरा शोक है मृतक के परिजनों ने बताया कि रामलल्लू परिवार का एकमात्र सहारा था और वह अपने पीछे दो छोटी बच्चियों को छोड़ गया है परिजनों ने इस मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए थाने में एफआईआर दर्ज कराई है सुरक्षा इंतजाम नहीं थे जियावन थाना प्रभारी शेषनारायण द्विवेदी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। प्रारंभिक जांच में कार्यस्थल पर सुरक्षा संबंधी पर्याप्त इंतजाम नहीं पाए गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है थाना प्रभारी के अनुसार, मृतक के परिजनों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी पुलिस यह भी पता लगा रही है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं।

महंगा होता इलाजः गरीबों की हित-रक्षा वाली हो स्वास्थ्य नीति

संपादकीय

ऐसे वक्त में जब महंगाई के कारण जीवनयापन कठिन हो रहा है, नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी यानी एन.पी.पी.ए. द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों में वृद्धि की इजाजत देना कमजोर वर्गों के लिए 'कंगाली में आटा गीला होना' जैसा है। एन.पी.पी.ए. द्वारा जिन दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की इजाजत दी गई है, उनमें कुछ कैंसर की दवाएं, एंटी-टेटनस सीरम और बच्चों के टीकों की कीमतों में पचास प्रतिशत की वृद्धि शामिल है। निश्चय ही यह फैसला पब्लिक हेल्थ पॉलिसी से जुड़ी विसंगतियों को दर्शाता है। निस्संदेह, भारत जैसे देश में जरूरी दवाओं को सस्ता रखना बेहद जरूरी है, जहां बहुत से परिवार इलाज का खर्च अपनी जेब से उठाते हैं। वहीं दूसरी ओर, यह भी जरूरी है कि जीवनरक्षक दवाओं की बाजार में सहज उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बहुत संभव है कि अमेरिका-ईरान युद्ध संकट से बाधित आपूर्ति शृंखला के चलते कुछ दवाइयों व टीकों की कीमतों में बढ़ोतरी को तार्किक बताया जाए, लेकिन चिकित्सा व्यवस्था में अमीर-गरीब की आर्थिक क्षमता को लेकर उठने वाले सवाल न्यायसंगत ही कहे जाएंगे। दरअसल, एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कमी और बढ़ती लागत को कीमत वृद्धि का कारण बताया है। दलील दी गई कि यदि दवा बनाने वाली कंपनियां इनकी उत्पादन लागत नहीं निकाल पाती हैं तो वे खुले बाजार में इन दवाइयों की आपूर्ति बंद कर सकती हैं। लेकिन इसके बावजूद गरीब तबके की सीमाओं और आर्थिक स्थिति का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। बहरहाल, इस बाबत दी गई दलीलों के बावजूद एक सच्चाई को छिपाया नहीं जा सकता कि इस देश में करोड़ों लोग बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च उठाने के लिए संघर्ष करते हैं। निर्विवाद रूप से कैंसर के इलाज और बच्चों को बीमारियों से बचाने वाली दवाइयों की कीमतों में पचास फीसदी बढ़ोतरी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को गहरे आर्थिक संकट में डाल सकती हैं। मरीजों के लिए इलाज के खर्च में दवाओं के अलावा, रोग की जांच, दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़े अस्पतालों तक की यात्रा, अस्पताल में भर्ती होने का खर्च तथा इस दौरान होने वाली आय की हानि भी शामिल होती है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में वृद्धि का अतिरिक्त बोझ उन्हें इलाज और जीवित रहने के बीच कई मुश्किल फैसले लेने को मजबूर कर सकता है। इसका समाधान किफायती होने और उपलब्धता के बीच चयन करने में नहीं है, बल्कि एक ऐसा तंत्र विकसित करने में है, जो दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके। सरकार को सरकारी अस्पतालों के लिए दवा खरीद व्यवस्था को पारदर्शी व मजबूत बनाने की जरूरत है। उसे सरकारी अस्पतालों के जरिये बिना किसी बाधा के दवाइयों की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही, स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में जरूरी दवाइयों को भी शामिल करना चाहिए, जिससे खास सब्सिडी के जरिये गरीब मरीजों को अचानक कीमतों में बढ़ोतरी से बचाया जा सके।

दलबदल की राजनीति : विचारधारा पर भारी सत्ता की भूख

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों का बिखरना और उनके नेताओं का पाला बदलना आज एक ऐसा कड़वा सच बन चुका है, जिसने लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों को हिलाकर रख दिया है। महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी की टूट के बाद अब पश्चिम बंगाल में टीएमसी के भीतर मची रार ने देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। हाल ही में टीएमसी के करीब 20 बागी सांसदों का दिल्ली में भाजपा के मंत्रियों से मिलना और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के पास जाना यह साफ दिखाता है कि परदे के पीछे की सियासी खिचड़ी पूरी तरह पक चुकी है। सवाल केवल टीएमसी का नहीं है, बल्कि यह समझने का है कि आखिर चुनाव बीतते ही क्षेत्रीय पार्टियों के नेताओं की अंतरात्मा अचानक कैसे जाग जाती है? जब तक पार्टी सत्ता में रहती है या उसकी ताकत बनी रहती है, तब तक नेतृत्व की सारी कमियां और तानाशाही इन नेताओं को क्यों नहीं दिखतीं?

अगर हम इस पूरे प्रकरण का कानूनी सच देखें, तो संविधान की दसवीं अनुसूची यानी दल-बदल विरोधी कानून के तहत किसी भी सांसद की सदस्यता सीधे तौर पर रद्द हो सकती है। लेकिन इस कानून में एक बहुत बड़ा चोर रास्ता है। अगर किसी पार्टी के दो-तिहाई सांसद एक साथ टूटते हैं और किसी दूसरी पार्टी में अपना विलय कर लेते हैं, तो उनकी सदस्यता बच जाती है। टीएमसी के मामले में बागी सांसदों ने खुद को एक पंजीकृत दल नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया के साथ विलय करने का रास्ता निकाला है। तकनीकी रूप से कानूनन अपनी सीट बचाने की यह एक चतुर कोशिश है, लेकिन अंतिम फैसला लोकसभा स्पीकर के विवेक पर ही निर्भर करता है। फिर भी, यह पूरा खेल नैतिकता की कसौटी पर बेहद घटिया और आम जनता के साथ सीधा धोखा नजर आता है। इस पूरे परिदृश्य को समझने के लिए हमें सिक्के के दोनों पहलुओं को देखना होगा। एक तरफ विपक्ष का सीधा आरोप है कि भाजपा केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर और सत्ता की मलाई का लालच देकर क्षेत्रीय पार्टियों को जानबूझकर निगल रही है।

देश में विपक्ष विहीन राजनीति या एक देश, एक पार्टी जैसा माहौल बनाने की कोशिश हो रही है ताकि केंद्र के सामने कोई मजबूत क्षेत्रीय आवाज न उठ सके। वहीं दूसरी तरफ, बागी नेताओं का तर्क होता है कि इन क्षेत्रीय दलों में कोई आंतरिक लोकतंत्र नहीं बचा है। वहां केवल परिवारवाद या किसी एक शीर्ष नेता की तानाशाही चलती है। जैसे टीएमसी के भीतर अभिषेक बनर्जी के बढ़ते कद से कई पुराने नेता असहज थे। बागी नेता अक्सर यह भी दुहाई देते हैं कि अपने क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र की सत्ताधारी पार्टी के साथ चलना उनकी मजबूरी है। लेकिन एक मतदाता के तौर पर यह पूरी तस्वीर गहरी चिंता पैदा करती है और मन में कई तीखे सवाल छोड़ जाती है। आखिर एक आम नागरिक धूप में खड़े होकर जिस उम्मीदवार को एक खास विचारधारा देखकर अपना कीमती वोट देता है, उसकी कीमत क्या सिर्फ एक सौदेबाजी तक सीमित है? अगर जीतने के बाद जन प्रतिनिधि अपने निजी स्वार्थ, केस-मुकदमों से बचने या मलाईदार पद के लिए पाला बदल लेता है, तो फिर इस लोकतंत्र में जनता की हैसियत ही क्या रह जाती है? क्या चुनाव सिर्फ इन नेताओं के लिए अपने दाम बढ़ाने का एक जरिया मात्र बनकर रह गए हैं? जब पूरा का पूरा गुट ही बिक जाता है, तो क्या यह सीधे तौर पर जनता के सामूहिक विवेक का उपहास नहीं है? राजनीति से शुचिता और नैतिकता जैसे शब्द अब पूरी तरह गायब हो चुके हैं और उनकी जगह केवल आंकड़ों की बाजीगरी ने ले ली है।

ममता बनर्जी जैसी जमीनी नेता भी संगठन के मामले में कच्ची खिलाड़ी साबित हुईं क्योंकि उन्होंने अपनी पार्टी में ऐसे वैचारिक रूप से कमजोर लोगों को भर रखा था जो संकट आते ही विरोधी खेमे में जाकर बैठ गए। यदि सिर्फ कानून की बारीकियों का फायदा उठाकर जनता के फैसले को बार-बार पलटा जाता रहेगा, तो आने वाले समय में आम आदमी का इस पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया से भरोसा ही उठ जाएगा। नेताओं को दल बदलने की छूट देने वाले इस लूपहोल को बंद करना अब समय की सबसे बड़ी मांग है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस और स्लोवाकिया यात्रा

बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की बढ़ती कूटनीतिक, आर्थिक सामरिक भूमिका का महत्वपूर्ण संके

सौरभ वार्ष्णेय

आज भारत के हौसले चहुंओर अपनी विजय पताका पहरा रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस और स्लोवाकिया यात्रा केवल एक नियमित विदेश दौरा नहीं है, बल्कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की बढ़ती कूटनीतिक, आर्थिक और सामरिक भूमिका का महत्वपूर्ण संकेत दे रहा है। 13 से 18 जून 2026 तक होने वाली इस यात्रा में फ्रांस के साथ रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने, स्लोवाकिया के साथ संबंधों का नया अध्याय खोलने तथा जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत की प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराने का अवसर निहित है। फ्रांस में आयोजित 52 वें जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत की अविरल भागीदारी है। भारत लगातार कई वर्षों से जी-7 बैठकों में आमंत्रित किया जा रहा है।

फ्रांस भारत का सबसे विश्वसनीय यूरोपीय रणनीतिक साझेदार माना जाता है। रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में दोनों देशों के हित समान हैं। प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के बीच होने वाली बैठक में रक्षा सहयोग, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप और नवाचार के क्षेत्रों पर विशेष जोर रहने की संभावना है। दोनों राजनीतिज्ञ भारत इनोवेट्स 2026 कार्यक्रम का संयुक्त उद्घाटन भी कर रहे हैं, जो भारत-फ्रांस तकनीकी साझेदारी को नई दिशा देने वाला मंच माना जा रहा है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब विश्व राजनीति बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। यूरोप रूस-यूक्रेन संघर्ष, ऊर्जा संकट और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में भारत एक स्थिर, विश्वसनीय और तेजी से उभरती हुई शक्ति के रूप में यूरोपीय देशों के लिए महत्वपूर्ण साझेदार बन गया है। फ्रांस के साथ बढ़ती निकटता भारत की सामरिक स्वायत्तता को भी मजबूत करती है, क्योंकि दोनों देश स्वतंत्र

विदेश नीति और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के समर्थक हैं।

इस यात्रा का दूसरा महत्वपूर्ण पड़ाव स्लोवाकिया है। यह विशेष इसलिए भी है क्योंकि 1993 में स्लोवाकिया के स्वतंत्र राष्ट्र बनने के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी की स्लोवाकिया यात्रा मध्य और पूर्वी यूरोप में भारत की सक्रिय कूटनीति का प्रतीक है। यहां प्रधानमंत्री की मुलाकात प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको और राष्ट्रपति से होगी। व्यापार, निवेश, रक्षा उत्पादन, ऑटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण क्षेत्रों में सहयोग की नई संभावनाओं पर चर्चा होने की उम्मीद है। स्लोवाकिया यूरोपीय संघ का सदस्य है और मध्य यूरोप के औद्योगिक केंद्रों में से एक माना जाता है। भारत के लिए यह केवल द्विपक्षीय संबंधों का विषय नहीं, बल्कि पूरे यूरोपीय संघ के साथ आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने का माध्यम भी है। ऐसे समय में जब भारत और यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, स्लोवाकिया जैसे देशों के साथ निकटता भारत के हितों को और मजबूत कर सकती है। यात्रा का तीसरा महत्वपूर्ण आयाम फ्रांस में आयोजित 52 वें जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी है। भारत लगातार कई वर्षों से जी-7 बैठकों में आमंत्रित किया जा रहा है, जो उसकी बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। इस मंच पर भारत जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला, डिजिटल अर्थव्यवस्था और वैश्विक दक्षिण के मुद्दों को मजबूती से उठा सकता है। वास्तव में यह यात्रा तीन स्तरों पर महत्वपूर्ण है–द्विपक्षीय संबंध, यूरोप के साथ व्यापक साझेदारी और वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका। फ्रांस के साथ तकनीकी एवं रक्षा सहयोग, स्लोवाकिया के साथ नए आर्थिक अवसर और जी-7 में भारत की सशक्त उपस्थिति मिलकर यह संदेश देती है कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित करने वाली निर्णायक शक्ति के रूप में उभर रहा है। कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस और स्लोवाकिया यात्रा भारत की विकसित भारत और वैश्विक भारत की परिकल्पना को आगे बढ़ाने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। यदि इस यात्रा से घोषित सहयोग योजनाएँ ठोस परिणामों में बदलती हैं, तो यह न केवल भारत-यूरोप संबंधों को नई ऊँचाई देगी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव को भी और मजबूत करेगी। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आस्था की पटरियों पर भारत दर्शन कराएगी भारत गौरव ट्रेन

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

-तीर्थाटन की नई धारा : भारत गौरव ट्रेन से आस्था, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का विराट संगम भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से प्रवाहित होती आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर दक्षिण के समुद्री तटों तक, पूर्व के जगन्नाथ धाम से लेकर पश्चिम की द्वारका नगरी तक फैली ह्रद्धद्वह्य भूमि में आस्था केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक व्यापक दर्शन है। यही कारण है कि भारत में तीर्थाटन को सदैव आत्मिक शांति, सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्रीय एकता का महत्वपूर्ण माध्यम माना गया है।

आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में जब मनुष्य अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है, तब तीर्थ यात्राएं उसे स्वयं से मिलने का अवसर प्रदान करती हैं। तीर्थाटन केवल मंदिरों के दर्शन तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह मन, विचार और आत्मा की यात्रा भी होता है। ऐसी ही आध्यात्मिक अनुभूति को साकार करने का प्रयास भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से किया जा रहा है।

आईआरसीटीसी द्वारा संचालित 'देव दर्शन यात्रा : 3 धाम एवं 11 ज्योतिर्लिंग' भारत की आध्यात्मिक विरासत को एक सूत्र में पिरोने वाली विशेष यात्रा है। यह यात्रा 3 सितम्बर 2026 को दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होगी और 17 रात तथा 18 दिनों तक चलेगी। लगभग दस हजार किलोमीटर लंबी इस यात्रा में श्रद्धालुओं को देश के तीन प्रमुख धामों तथा ग्यारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का दुर्लभ अवसर प्राप्त होगा।

इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि श्रद्धालु एक ही सफर में भारत की विशाल धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का अनुभव कर सकेंगे। यात्रा के दौरान पूर्व में भगवान जगन्नाथ की नगरी पुरी, दक्षिण में रामेश्वरम धाम और पश्चिम में भगवान श्रीकृष्ण की नगरी द्वारका के दर्शन कराए जाएंगे। इसके साथ ही काशी विश्वनाथ, बैद्यनाथ, मल्लिकार्जुन, भीमाशंकर, त्र्यंबकेश्वर, नागेश्वर, सोमनाथ, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर तथा घृष्णेश्वर जैसे प्रमुख ज्योतिर्लिंगों की यात्रा भी इस कार्यक्रम का हिस्सा होगी।

भारतीय धार्मिक परंपरा में ज्योतिर्लिंगों का विशेष महत्व है। इन्हें भगवान शिव के दिव्य स्वरूप का प्रतीक माना जाता है। काशी की आध्यात्मिकता, उज्जैन के महाकाल का वैभव, सोमनाथ का ऐतिहासिक गौरव और ओंकारेश्वर की प्राकृतिक पवित्रता श्रद्धालुओं को केवल दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक अनुभूति भी प्रदान करती है। वहीं पुरी, रामेश्वरम और द्वारका धाम भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं।

तीर्थाटन का महत्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है। जब कोई यात्री उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक यात्रा करता है तो वह भारत की विविधता में निहित एकता को निकट से अनुभव करता है। विभिन्न भाषाएं, लोक संस्कृतियाँ, वेशभूषाएँ, भोजन परंपराएँ और जीवन मूल्य उसे यह समझने का अवसर देते हैं कि भारत अनेकताओं के बावजूद एक सांस्कृतिक परिवार है। इस दृष्टि से तीर्थ यात्राएं राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता की भी सशक्त वाहक हैं।

भारत सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक पर्यटन को विशेष प्रोत्साहन दिया गया है। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, अयोध्या धाम और केदारनाथ जैसे तीर्थस्थलों पर विकसित आधुनिक सुविधाओं ने धार्मिक पर्यटन को नई पहचान दी है। भारत गौरव ट्रेन इसी व्यापक सोच का विस्तार है, जहां आस्था और आधुनिकता का सुंदर समन्वय दिखाई देता है।

यात्रा के दौरान यात्रियों को सुविधाजनक और व्यवस्थित अनुभव प्रदान करने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। आधुनिक वातानुकूलित डिब्बे, शुद्ध शाकाहारी भोजन, होटल आवास, स्थानीय भ्रमण के लिए विशेष वाहन, सुरक्षा व्यवस्था, यात्रा बीमा तथा प्रशिक्षित टूर प्रबंधकों की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे श्रद्धालुओं को व्यवस्थाओं की चिंता किए बिना पूरी श्रद्धा और एकाग्रता के साथ यात्रा करने का अवसर मिलेगा।

धार्मिक पर्यटन का एक महत्वपूर्ण आर्थिक पक्ष भी है। तीर्थस्थलों पर पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालु स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करते हैं। होटल, परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार और छोटे व्यापारियों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलता है। परिणामस्वरूप रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और क्षेत्रीय विकास को मजबूती मिलती है। इस प्रकार धार्मिक पर्यटन आध्यात्मिकता के साथ-साथ आर्थिक विकास का भी माध्यम बनता है।

हालाँकि तीर्थाटन के बढ़ते विस्तार के साथ पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता जैसी चुनौतियां भी सामने आती हैं। तीर्थस्थलों की पवित्रता और प्राकृतिक सौंदर्य को बनाए रखना श्रद्धालुओं तथा प्रशासन दोनों की साझा जिम्मेदारी है। धार्मिक पर्यटन तभी सार्थक होगा जब वह प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील भी रहे।

भारत गौरव ट्रेन की यह यात्रा केवल एक रेल यात्रा नहीं, बल्कि भारत की आत्मा से साक्षात्कार का अवसर है। इसमें शामिल होने वाला यात्री केवल तीर्थों के दर्शन करके नहीं लौटता, बल्कि वह अपने साथ आध्यात्मिक ऊर्जा, सांस्कृतिक अनुभव और राष्ट्रीय एकता की गहरी अनुभूति भी लेकर लौटता है। काशी के घाटों से लेकर रामेश्वरम के समुद्री तट तक और पुरी की भक्ति परंपरा से लेकर द्वारका की सांस्कृतिक विरासत तक फैली यह यात्रा भारत की उस अखंड आध्यात्मिक धारा का परिचय कराती है जिसने सदियों से देश को एक सूत्र में बांधे रखा है।

वास्तव में भारत गौरव ट्रेन आधुनिक भारत में तीर्थाटन के बदलते स्वरूप का प्रतीक है।

सड़क हादसों में जा रहीं हैं हर घंटे बीस जिंदगी

भारत में सड़क हादसों के कारण हर साल औसतन 1.80 लाख लोगों की मौत होती है। सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एक साल में देशभर में 4.80 लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें हर घंटे औसतन 20 लोगों की जान चली जाती है। भारत में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में सड़क दुर्घटनाओं में 1,77,175 लोगों की मौत हुई है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि देश में औसतन हर दिन लगभग 485 लोग और हर घंटे 20 से अधिक लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवाते हैं

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में पिछले कुछ वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौतों का ग्राफ लगातार बढ़ा है देशभर में 4,87,707 सड़क हादसे दर्ज किए गए। इन हादसों में 1,77,175 लोगों ने जान गंवाई, जो 2023 (1,72,890 मौतें) के मुकाबले 2.5% अधिक है। साल 2024 में इन दुर्घटनाओं के कारण 4,71,441 लोग घायल हुए हैं

विश्व में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में विशेष रूप से गरीब और विकासशील देशों के लोगों की संख्या में अविश्वसनीय वृद्धि हुई है और इनमें से भी प्रत्येक 5 में से 1 मौत भारत में होती है।

एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में हर घंटे होने वाली लगभग 56 सड़क दुर्घटनाओं में 20 लोगों की जान जाती है। इसी कारण भारत को सड़क दुर्घटनाओं की राजधानी भी कहा जाने लगा है। स्थिति की गंभीरता पिछले मात्र दो तीन दिन की अखबारों में प्रकाशित हादसों की खबरों से अन्दाज़ा लगाया जा सकता है :5 जून को वैष्णो देवी से श्रद्धालुओं को लेकर आ रही एक पिक-अप गाड़ी और ट्रक

की टक्कर में 2 श्रद्धालुओं की मौत हो गई।6 जून को फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर गांव जंगाला मोड़ के निकट एक पिकअप गाड़ी तथा घोड़ा ट्राले में टक्कर के परिणामस्वरूप 10 लोगों की मौत तथा अनेक घायल हो गए।

7 जून को रोपड़ (पंजाब) जिले में भारतगढ़ के निकट एक कार सड़क के किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी जिससे 3 लोगों की मौत हो गई। 7 जून को ही शाहाबाद-पिपली जी.टी. रोड पर एक बेकाबू ट्राले ने एक मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया जिससे उस पर सवार मोहाली नगर निगम के 2 कर्मचारियों की मृत्यु हो गई।

8 जून को औरंगाबाद (बिहार) में 4 सड़क दुर्घटनाओं में 9 लोगों की जान चली गई तथा अनेक घायल हो गए।

8 जून को ही फगवाड़ा में एक मोटरसाइकिल, 2 कारों और एक ट्रक की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार और उसकी 7 वर्षीय बेटी की घटनास्थल पर ही मौत तथा उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई।

9 जून को शंभू (राजपुरा, पंजाब) में एक ट्रक ड्राइवर ने 2 लोगों को रौंद डाला जिनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

9 जून को ही चहेड़ (फगवाड़ा, पंजाब) में एक्टिवा पर सवार 2 युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे दोनों की मौत हो गई।

9 जून को ही लुधियाना (पंजाब) में एक कंटेनर के चालक ने तेज रफ्तार से उसे बैंक करने की कोशिश में एक मजदूर को रौंद दिया।

10 जून को देहरादून (उत्तराखंड) में झाड़पानी क्षेत्र में एक कार के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार 4 लोगों की मौत हो गई।

10 जून को ही बेगोवाल (पंजाब) में सड़क दुर्घटना में एक कार बेकाबू हो कर पेड़ से टकरा गई जिससे एक दम्पति की मृत्यु हो गई।

10 जून को ही भीखी (पंजाब) में एक ट्राले की टक्कर ट से बाइक रेहड़े पर सवार 2 दोस्तों की जान चली गई।

11 जून को पुणे (महाराष्ट्र) में नवाले पुल से नीचे उतरते समय एक सीमेंट मिक्सर ट्रक बेकाबू होकर मोटरसाइकिल पर जा रहे एक डिलीवरी ब्वाय से टकरा गया जिससे उसकी मौत हो गई। 11 जून को ही गाँडा (उत्तर प्रदेश) में 2 मोटरसाइकिलों की टक्कर में घायलों की मदद करने पहुंचे लोगों को तेज रफ्तार एस.यू. वी. ने रौंद दिया जिससे 4 लोगों की मौत व 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।11 जून को ही फिरोजपुर (पंजाब) में मोटरसाइकिल पर जा रहे 3 युवकों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी जिससे उनकी मौत हो गई। 11 जून को ही पोत्थरैड्डीपालम (आंध्र प्रदेश) में एक कार बेकाबू होकर एक मकान से जा टकराई जिससे कार में सवार 5 मैडिकल के छात्रों सहित 6 लोगों की जान चली गई।11 जून को ही बुलढाणा (महाराष्ट्र) में ईंटों से लदे एक ट्रक तथा बस में आमने-सामने टक्कर में 4 लोगों की मौत हो गई।

11 जून को ही फरीदकोट (पंजाब) में एक कार और मोटरसाइकिल की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति व उसकी 2 बेटियों की मौत हो गई।

और अब 11 जून को ही चमोली में एक कार खाई में गिर जाने से उसमें सवार 4 लोगों की मौत हो गई।

हमारे देश में वाहनों की रफ्तार में वृद्धि के साथ दुर्घटनाओं में भी वृद्धि हो रही है। अतः यह प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है कि यह सिलसिला आखिर कब थमेगा।

इसका बड़ा कारण सड़कों में गड्ढे, हैड लाइटों का आधा काला नहीं होना, शहरी, ग्रामीण सड़कों या प्रादेशिक व राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए गति सीमा निर्धारित न होना, वाहन चालकों द्वारा शराब पीकर, मोबाइल पर बात करते हुए और बिना आराम किए लम्बे समय तक वाहन चलाना आदि प्रमुख हैं।

इसके लिए प्रशासन भी जिम्मेदार है। लोगों को ड्राइविंग लाइसैंस जारी करने में भारी अनियमितताएं होती हैं। रिश्वत के बल पर लोग विधिवत ड्राइविंग टैस्ट दिए बिना ही ड्राइविंग लाइसैंस हासिल कर लेते हैं। अतः इस सम्बन्ध में लापरवाही बरतने वाले ट्रैफिक पुलिस के स्टाफ और लापरवाह वाहन चालकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के साथ-साथ लोगों द्वारा वाहन चलाने में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

उज्जवल दीपक बोले- भारत मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्रः सरकारी योजनाओं से करोड़ों लोगों को फायदा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। केंद्र सरकार के 12 साल पूरे होने पर मनेंद्रगढ़ में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता उज्जवल दीपक ने प्रेसवार्ता की। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से गिनाते हुए कहा कि बीते 12 सालों में देश हित और जनहित से जुड़े अनेक ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। भारत वैश्विक स्तर पर एक मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में उभरा है और देश अब वैभव के शिखर की ओर अग्रसर है उज्जवल दीपक ने बताया कि केंद्र सरकार ने गरीब कल्याण, बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल क्रांति, महिला सशक्तिकरण, किसानों के हित और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन और डिजिटल इंडिया जैसी प्रमुख योजनाओं का उल्लेख किया, जिनका लाभ करोड़ों लोगों तक पहुंचा है भाजपा प्रवक्ता ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक पहचान मजबूत हुई है देश आज दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और आने वाले सालों में विश्व की अग्रणी शक्तियों में शामिल होगा नेहरू और मोदी के संदर्भ में दिया स्पष्टीकरण उन्होंने स्पष्ट किया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री बने थे, जबकि नरेंद्र मोदी को देश की जनता ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनकर प्रधानमंत्री बनाया है। दीपक ने जोर दिया कि मोदी सरकार की नीतियों और कार्यों के आधार पर जनता लगातार अपना समर्थन दे रही है इस दौरान भाजपा नेताओं ने केंद्र सरकार की कई योजनाओं और उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि आने वाले समय में भी विकास और जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी भाजपा पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल को देश के विकास और परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण दौर बताया।

NH-46 पर सड़क हादसा: ईको कार सवार 6 घायल, 3 की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के लुकवासा चौकी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-46 पर रविवार रात एक सड़क हादसे में ईको कार में सवार छह लोग घायल हो गए। इनमें से तीन घायलों की हालत गंभीर है जिन्हें उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है सभी घायल खोड़ गांव के निवासी बताए जा रहे हैं जो म्याना में एक शादी समारोह से लौट रहे थे जानकारी के अनुसार खोड़ गांव के निवासी विमल आदिवासी (30), अरशान खान (11), जमेदा (52), सफी खान (65), रानो खान (60) और सवाना खान (45) सहित कुल सात लोग गुना से ईको कार में सवार होकर शिवपुरी लौट रहे थे। दैहरदा रोड पर उनकी कार को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वे सभी घायल हो गए हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद तीन घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें आगे के इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि टक्कर मारने वाला वाहन एक पार्सल कोरियर से भरा ट्रक था, जो सूरत से मुजफ्फरनगर जा रहा था। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बिरहोर बच्चों के लिए सुनहरा अवसर, नवोदय आवासीय विद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन 30 जून तक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर (बैगा) समुदाय के बच्चों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अवसर उपलब्ध कराया गया है। विकासखंड भरतपुर के नौढ़िया स्थित विशेष पिछड़ी जनजाति आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा पहली एवं छठवीं में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है विद्यालय में बालक एवं बालिका दोनों वर्गों के लिए निर्धारित सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थियों के अभिभावक 30 जून 2026 तक निर्धारित आवेदन पत्र भरकर संबंधित कार्यालयों में जमा कर सकते हैं आवेदन पत्र कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर अथवा कार्यालय मंडल संयोजक, विकासखंड भरतपुर से प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अलावा आवेदन पत्र जिले की आधिकारिक वेबसाइट से भी डाउनलोड किए जा सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा विद्यालय में चयनित विद्यार्थियों को निःशुल्क आवास, भोजन, नाश्ता, गणवेश, टी-शर्ट, शॉर्ट्स, जूते-मोजे, स्वेटर, टाई-बेल्ट, पाठ्य पुस्तकें, कॉपियां, खेल सामग्री, चिकित्सा सुविधा तथा पुस्तकालय जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण के साथ सर्वांगीण विकास का अवसर मिलेगा आदिवासी विकास विभाग ने बिरहोर समुदाय के सभी पात्र बच्चों के अभिभावकों से अपील की है कि वे समय सीमा के भीतर आवेदन प्रस्तुत कर इस शैक्षणिक अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं। यह पहल समुदाय के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सोमवती अमावस्या पर महासंयोग सुबह 5 बजे से 30 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किया नर्मदा स्नान

कई शहरों से पहुंचे लोग, घाटों पर सुरक्षा बल तैनात

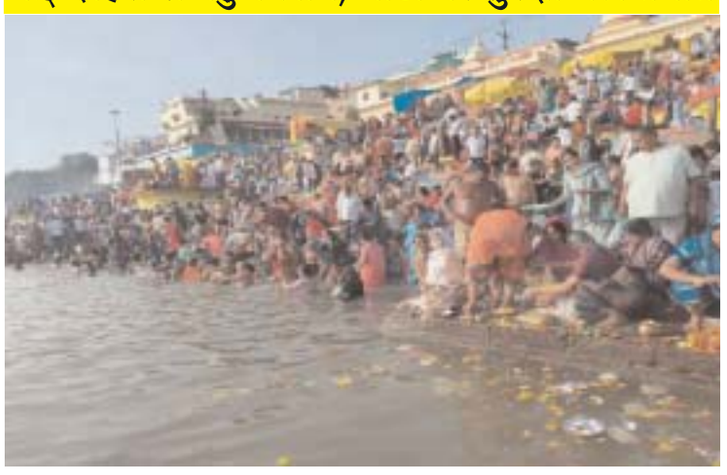

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। ज्येष्ठ अधिकमास (पुरुषोत्तम मास) की सोमवती अमावस्या पर सोमवार को नर्मदा नदी के घाटों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। सुबह 5 बजे से ही हजारों श्रद्धालु नर्मदा में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं पंचांग के अनुसार आज अमावस्या सूर्य संक्रांति और अधिकमास का महासंयोग बना है, जिसका पुण्य लाभ लेने के लिए भोपाल और नागपुर सहित कई शहरों से लोग यहां पहुंचे हैं रविवार शाम से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु नर्मदा किनारे सेठानी घाट पहुंचने लगे थे। रातभर श्रद्धालुओं ने भजन गाकर और नाचकर जागरण किया। इसके बाद सोमवार सुबह सूर्योदय के साथ ही स्नान का सिलसिला शुरू हो गया। सेठानी घाट के अलावा विवेकानंद घाट, गोंदरी घाट और पर्यटन घाट पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी जा रही है इन प्रमुख शहरों से पहुंचे श्रद्धालु सोमवती अमावस्या के इस विशेष पर्व पर केवल स्थानीय लोग ही नहीं, बल्कि अन्य जिलों और राज्यों से भी श्रद्धालु आए हैं। मुख्य रूप से बैतूल, भोपाल, विदिशा, छिंदवाड़ा और महाराष्ट्र के नागपुर से बड़ी संख्या में लोग नर्मदा स्नान के लिए पहुंचे हैं। घाटों पर स्नान के बाद लोग विधि-विधान से पूजा-पाठ कर रहे हैं स्नान और दान से मिलेगा महापुण्य पंचांग गणना के अनुसार, इस बार सोमवार के दिन अमावस्या, सूर्य संक्रांति और अधिकमास का दुर्लभ महासंयोग बन रहा है मान्यता है कि सोमवती अमावस्या और संक्रांति पर स्नान तथा दान के लिए संकल्प लेना महापुण्यदायी रहता है। इसी धार्मिक महत्व के कारण श्रद्धालु घाटों पर पहुंचकर दान-पुण्य कर रहे हैं घाटों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, अनाउंसमेंट जारी घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं राजस्व अधिकारियों के साथ पुलिस और होमगार्ड के जवानों की ड्यूटी लगाई गई है जवान मुस्तैदी से श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोक रहे हैं किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए सेठानी घाट पर लगातार अनाउंसमेंट कर लोगों को सचेत किया जा रहा है।

19 जून को जिला रोजगार कार्यालय लगेगा रोजगार मेला

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 19 जून 2026 (दिन-शुक्रवार) को रोजगार मेला/प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन प्रातः 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय, मनेन्द्रगढ़ में आयोजित होगा। रोजगार मेले में विभिन्न निजी कंपनियों द्वारा भर्ती की जाएगी। इसमें Parisharam Human Resources Pvt. Ltd. द्वारा मीटर इंस्टॉलेशन पद हेतु 100 रिक्तियां (वेतन 15,000 से 20,000 रुपये), अंबिकापुर द्वारा इंश्योरेंस एडवाइजर पद हेतु 50 रिक्तियां (कमीशन आधारित), Little Millennium Pre School मनेन्द्रगढ़ द्वारा टीचर पद हेतु 3 रिक्तियां (वेतन 5,000 से 6,000 रुपये) सिरौली द्वारा सिक्योरिटी गार्ड पद हेतु 1 रिक्ति उपलब्ध है।

तवा ब्रिज के स्लैब में आई दरारें: 44 साल पुराने पुल पर भारी वाहनों की रोक बेअसर, बेधड़क गुजर रहे ट्रक

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र) पिपरिया को जोड़ने वाले 44 साल पुराने तवा ब्रिज के पिलर के स्लैब में दरारें आ गई हैं। इसके चलते एमपीआरडीसी ने पुल से भारी वाहनों के गुजरने पर 16 जून तक रोक लगा दी है। दिन में ट्रैफिक पुलिस डंपर और ट्रकों को वैकल्पिक मार्गों से निकाल रही है लेकिन रात में पुलिस की गैरमौजूदगी में भारी वाहन बेधड़क पुल पार कर रहे हैं। ओवरलोड वाहनों के गुजरने से पुल के क्षतिग्रस्त स्लैब धंसने का खतरा और बढ़ गया है तवा नदी पर साल 1982 में 1330 मीटर लंबा पुल बनाया गया था। यह जिले का सबसे लंबा ब्रिज है, जिसकी भार क्षमता 70 टन है। इसके बावजूद पुल से 100 टन तक के भारी वाहन गुजर रहे हैं ओवरलोडिंग के कारण ब्रिज के पिलर नंबर 52, 53 और 54 को सपोर्ट देने वाले स्लैब में दरारें आ गई हैं। फिलहाल एमपीआरडीसी के अधिकारी इन दरारों को भरने और मरम्मत का काम करवा रहे हैं ब्रिज पर 16 जून तक भारी वाहनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक रहेगी। हालांकि, मरम्मत के दौरान कार, बाइक और यात्री बसों जैसे हल्के वाहनों के लिए पुल खुला रखा गया है मरम्मत पूरी होने के बाद 16 जून को एक्सपर्ट की एक टीम पुल की जांच करेगी। टीम की रिपोर्ट के आधार पर ही यह निर्णय लिया जाएगा कि भारी वाहनों को आगे पुल से गुजरने दिया जाए या नहीं। ट्रैफिक पुलिस दिन में डंपर और ट्रकों को माखननगर के आरी, सांगाखेड़ा कला, बांद्राभान और मालाखेड़ी मार्ग से डायवर्ट कर रही है। लेकिन शाम ढलते ही पुलिसकर्मी वहां से हट जाते हैं इसका फायदा उठाकर रात में लोडिंग हैवी व्हीकल सीधे तवा पुल से ही गुजर रहे हैं। क्षतिग्रस्त स्लैब के कारण यह लापरवाही किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती है इस महत्वपूर्ण तवा ब्रिज पर पिछले 6 साल के भीतर यह तीसरी बड़ी मरम्मत की जा रही है। इससे पहले वर्ष 2020 में भी 1.50 करोड़ रुपए की लागत से इस ब्रिज के पेडस्टल और एक्सपेंशन जॉइंट बदलने का काम किया गया था इस मामले पर ट्रैफिक डीएसपी मिश्रा ने बताया कि पुल की मरम्मत के कारण 16 जून तक ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा। उन्होंने कहा, 'डंपर और ट्रकों को माखननगर, आरी, सांगाखेड़ा और बांद्राभान मार्ग से निकाला जा रहा है। रात में निकलने वाले भारी वाहनों पर भी सख्ती कर उन्हें रोका जाएगा।'

कोर्ट के आदेश पर निर्माणाधीन मंगल भवन ढहाया गया

मनेंद्रगढ़ में अवैध निर्माण तोड़ने में जेसीबी विफल, प्रशासन ने भवन सील किया

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कोर्ट के आदेश पर दो विवादित निर्माणों पर प्रशासन ने कार्रवाई की। एक निर्माणाधीन मंगल भवन को ध्वस्त कर दिया गया, जबकि दूसरे अवैध निर्माण को तोड़ने में जेसीबी विफल रहने के बाद उसे सील करने का निर्णय लिया गया यह कार्रवाई एमसीबी जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में हुई। राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर नगर पालिका की ओर से बनाए जा रहे मंगल भवन को तोड़ा। बताया गया कि इस निर्माण के लिए आवश्यक वैधानिक अनुमति और स्वीकृतियां उपलब्ध नहीं थीं दूसरे अवैध निर्माण को हटाने के लिए लाई गई जेसीबी मशीन तकनीकी कारणों से उसे तोड़ने में असमर्थ रही। इसके बाद प्रशासन ने उस भवन को सील करने का फैसला किया, ताकि भविष्य में कोई निर्माण कार्य या उसका उपयोग न हो सके मंगल भवन निर्माण मामले के शिकायतकर्ता रमाशंकर गुप्ता ने आरोप लगाया कि नगर पालिका की ओर से बिना विधिवत अनुमति के नियमों की अनदेखी कर निर्माण कराया जा रहा था। गुप्ता ने जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित लोगों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराने के लिए आवेदन पेश करने की बात कही। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश के अनुसार की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में नियमों के विरुद्ध पाए जाने वाले अन्य निर्माणों पर भी सख्त कदम उठाए जाएंगे। फिलहाल, प्रशासन की ओर से अवैध निर्माण को सील करने सहित अन्य कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं।

16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट पर पूर्ण प्रतिबंध, उल्लंघन पर 25 हजार रुपये तक जुर्माना

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राज्य शासन द्वारा वर्षा ऋतु में मछलियों के प्राकृतिक प्रजनन एवं वंश वृद्धि को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से बड़ा निर्णय लिया गया है। छत्तीसगढ़ नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम, 1972 की धारा 3 की उपधारा (2) के अंतर्गत 16 जून 2026 से 15 अगस्त 2026 तक की अवधि को 'बंद ऋतु (क्लोज सीजन)' घोषित किया गया है। इस दौरान प्रदेश के सभी नदी, नाले, जलाशय एवं अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों में मत्स्याखेट (मछली पकड़ने) की गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा मत्स्य विभाग के अनुसार यह प्रतिबंध मछलियों के प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए लागू किया गया है, ताकि उन्हें सुरक्षित वातावरण मिल सके और मत्स्य संपदा का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। इससे भविष्य में मत्स्य उत्पादन में वृद्धि होने की संभावना है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश पूरे प्रदेश के जल संसाधनों पर लागू होगा हालांकि कुछ अपवाद भी निर्धारित किए गए हैं। ऐसे छोटे तालाब, जिनका किसी नदी या नाले से कोई संबंध नहीं है, तथा जलाशयों में संचालित केज कल्चर इकाइयों को इस प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है। इसके अलावा अन्य सभी प्राकृतिक जल स्रोतों में मत्स्याखेट पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा विभाग ने चेतावनी दी है कि प्रतिबंध अवधि के दौरान यदि कोई व्यक्ति मछली पकड़ते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ मत्स्य क्षेत्र अधिनियम, 1948 की धारा 5 के तहत उल्लंघनकर्ताओं पर अधिकतम 25 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष: विकास, विश्वास और जनकल्याण की उपलब्धियों को प्रदर्शित करेगी तीन दिवसीय विकास प्रदर्शनी

भगत सिंह चौक में 15 से 17 जून तक जनसंपर्क विभाग द्वारा होगा विशेष आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में जनसंपर्क विभाग द्वारा 15 जून से 17 जून 2026 तक भगत सिंह चौक में तीन दिवसीय विशेष विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है प्रदर्शनी के माध्यम से केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, ऐतिहासिक उपलब्धियों तथा आमजन के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा प्रदर्शनी का उद्देश्य शासन की योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा नागरिकों को विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करना है। प्रदर्शनी में विगत 12 वर्षों के दौरान आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, रोजगार सृजन, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण विकास तथा डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में हुए उल्लेखनीय कार्यों को आकर्षक छायाचित्रों, प्रदर्श पैनलों एवं जानकारीपरक सामग्री के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, डिजिटल सेवाओं के विस्तार, आत्मनिर्भर भारत अभियान, प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं प्रदेश में संचालित विकास कार्यों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी स्थल पर नागरिकों को योजनाओं के लाभ, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा शासन की उपलब्धियों की जानकारी प्रदान की जाएगी, जिससे अधिक से अधिक पात्र हितग्राही योजनाओं से जुड़कर लाभान्वित हो सकें। यह प्रदर्शनी शासन और नागरिकों के बीच संवाद का भी एक प्रभावी माध्यम बनेगी विशिष्ट जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की रहेगी सहभागिता प्रदर्शनी के उद्घाटन एवं विभिन्न कार्यक्रमों में विधानसभा भरतपुर-सोनहत विधायक मती रेणुका सिंह, भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष मती चम्पादेवी पावले, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मती प्रतिभा यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पटवा, जिला महामंत्री आशीष मजूमदार, द्वारिका जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष आशीष सिंह, मती सरोज यादव, संजय राय, रामलाल साहू ,राजकुमार बधावन, पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल केशरवानी, लखन लाल वास्तव, महिला मोर्चा अध्यक्ष मती प्रतिमा पटवा, युवा मोर्चा अध्यक्ष अंकित शर्मा, युवा मोर्चा महामंत्री राहुल जायसवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहेंगे।

खुरई में भूसे के गोदाम में भीषण आग व्यापारी को 25 लाख का नुकसान हजारों क्विंटल भूसा जलकर राख

मीडिया ऑडीटर,बीना (निप्र)। सागर जिले के खुरई में खिमलासा रोड स्थित तलापार तिराहा के पास सोमवार को एक भूसे के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग में हजारों क्विंटल भूसा जलकर राख हो गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

धुआं उठता देख गोदाम पहुंचे मालिकः गोदाम मालिक खुरई निवासी डब्बू अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने गोदाम से धुआं निकलता देखा। मौके पर पहुंचने तक आग तेजी से फैल चुकी थी और देखते ही देखते पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया।

25 लाख रुपए से अधिक का नुकसानः डब्बू अग्रवाल के मुताबिक आग में उनका सीजन का पूरा भूसे का स्टॉक जल गया। इस अग्निकांड से उन्हें 25 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलने पर नगर पालिका और प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने नुकसान का जायजा लिया और आग बुझाने के कार्य की निगरानी की। शॉर्ट सर्किट की आशंका प्रथम दृष्टया आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। गोदाम मालिक ने मामले की शिकायत खिमलासा थाने में दर्ज कराई है।

सीहोर में 61 KM प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी :इछावर में हुई तेज बारिश, लोगों को उमस से मिली राहत

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर में सोमवार दोपहर को मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को राहत मिली। दोपहर बाद आसमान में घने काले बादल छा गए, जिससे दिन में ही अंधेरा हो गया। इसके बाद करीब 61 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चली, जिसने धूल का गुबार उड़ाया। आंधी के बाद झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। इस मौसम परिवर्तन से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश का असर अलग-अलग रहा। इछावर ब्लॉक में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई, जबकि जिला मुख्यालय पर केवल बूंदाबांदी हुई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, दोपहर बाद वायुमंडल में अचानक हुए बदलाव के कारण घने बादलों का निर्माण हुआ। इस बारिश से मालवा-मध्य क्षेत्र के इस हिस्से को काफी हद तक ठंडक मिली है। आगामी 24 घंटों में भी जिले के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। आज दर्ज की गई बारिश के आंकड़े इस प्रकार हैंः इछावर में 0.91 इंच, श्यामपुर में 0.18 इंच, भैरूंदा में 0.16 इंच और सीहोर में 0.09 इंच बारिश हुई।

मोमोज के पैसे मांगने पर फास्ट फूड विक्रेता से मारपीट :भुगतान से इनकार कर दी धमकी,

मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के नौगांव कस्बे में एक फास्ट फूड विक्रेता से मारपीट और रंगदारी मांगने के आरोप में पुलिस ने रविवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पीड़ित की शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर नौगांव थाने में मामला दर्ज होने के बाद की गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार रात आरा मशीन चौराहे पर हुई। आरोपी ने मोमोज और अन्य फास्ट फूड लेने के बाद विक्रेता को पैसे देने से इनकार कर दिया। जब विक्रेता ने भुगतान की मांग की, तो आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज की, मारपीट की और जान से मारने की धमकियां दीं। पीड़ित की शिकायत और मेडिकल के बाद नौगांव थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान आशीष अहिरवार के रूप में हुई है, जो गोविंद दास अहिरवार का बेटा और हल्लू कॉलोनी, नौगांव का निवासी है। पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

रतलाम में सुबह ठंडी हवा, दिन में लूःपिछले दो दिन में तापमान 1.4 डिग्री लुढ़का तेज धूप के साथ हल्के बादल छाए

मीडिया ऑडीटररतलाम, (निप्र)। रतलाम में हवाओं के कारण पिछले दो दिन में तापमान में कमी आई है। अधिकतम तापमान 1.4 डिग्री सेल्सियस लुढ़क गया है। सोमवार को सुबह से मौसम खुला है। तेज धूप के साथ हल्के बादल छाए हुए है। तेज हवाओं का दौर जारी है। मौसम विभाग ने दोपहर बाद हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। प्रदेश में कई जिलो में प्री-मानसून की एक्टिविटी जारी है। रविवार को भी कई जिलो में बारिश हुई। तेज हवाएं चलती रही। इसका असर रतलाम में भी देखने को मिला। पिछले 48 घंटे में लगातार तापमान में कमी आई। सोमवार सुबह से हवाएं चल रही है, इससे तापमान में और कमी होने की संभावना है। दोपहर बाद यह हवाएं तेज लू के रूप में चल रही है। जिससे गर्मी रा असर बना हुआ है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलो के साथ रतलाम में भी दोपहर बाद बारिश होने की संभावना जताई है।

नर्मदापुरम में तवा ब्रिज के स्लैब में आई दरारें 44 साल पुराने पुल पर भारी वाहनों की रोक बेअसर; बेधड़क गुजर रहे ट्रक

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम से पिपरिया को जोड़ने वाले 44 साल पुराने तवा ब्रिज के पिलर के स्लैब में दरारें आ गई हैं। इसके चलते एमपीआरडीसी (MPRDC) ने पुल से भारी वाहनों के गुजरने पर 16 जून तक रोक लगा दी है। दिन में ट्रैफिक पुलिस डंपर और ट्रकों को वैकल्पिक मार्गों से निकाल रही है, लेकिन रात में पुलिस की गैरमौजूदगी में भारी वाहन बेधड़क पुल पार कर रहे हैं। ओवरलोड वाहनों के गुजरने से पुल के क्षतिग्रस्त स्लैब धंसने का खतरा और बढ़ गया है। तवा नदी पर साल 1982 में 1330 मीटर लंबा पुल बनाया गया था। यह जिले का सबसे लंबा ब्रिज है, जिसकी भार क्षमता 70 टन है। इसके बावजूद पुल से 100 टन तक के भारी वाहन गुजर रहे हैं ओवरलोडिंग के कारण ब्रिज के पिलर

नंबर 52, 53 और 54 को सपोर्ट देने वाले स्लैब में दरारें आ गई हैं।

फिलहाल एमपीआरडीसी के अधिकारी इन दरारों को भरने और मरम्मत का काम करवा रहे हैं।

एक्सपर्ट टीम करेगी जांच, छोटे वाहनों को छूटः ब्रिज पर 16 जून तक भारी वाहनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक रहेगी।

हालांकि, मरम्मत के दौरान कार, बाइक और यात्री बसों जैसे हल्के वाहनों के लिए पुल खुला रखा गया है। मरम्मत पूरी होने के बाद 16 जून को एक्सपर्ट की एक टीम पुल की जांच करेगी। टीम की रिपोर्ट के आधार पर ही यह निर्णय लिया जाएगा कि भारी वाहनों को आगे पुल से गुजरने दिया जाए या नहीं। रात में पुलिस नहीं, मंडरा रहा हादसे का खतरा ट्रैफिक पुलिस दिन में डंपर और ट्रकों को माखननगर के आरी, सांगाखेड़ा कला, बांद्राभान और मालाखेड़ी मार्ग से डायवर्ट कर रही है। लेकिन शाम ढलते ही पुलिसकर्मी वहां से हट जाते हैं। इसका फायदा उठाकर रात में लोडिंग हैवी व्हीकल सीधे तवा पुल से ही गुजर रहे हैं।

क्षतिग्रस्त स्लैब के कारण यह लापरवाही किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

6 साल में हो रही तीसरी बड़ी मरम्मतः इस महत्वपूर्ण तवा ब्रिज पर पिछले 6 साल के भीतर यह तीसरी बड़ी मरम्मत की जा रही है।

इससे पहले वर्ष 2020 में भी 1.50 करोड़ रुपए की लागत से इस ब्रिज के पेडस्टल और एक्सपेंशन जॉइंट बदलने का काम किया गया था। डीएसपी बोले- रात में भारी वाहनों पर सख्ती होगी इस मामले पर ट्रैफिक डीएसपी मिश्रा ने बताया कि पुल की मरम्मत के कारण 16 जून तक ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा। उन्होंने कहा, 'डंपर और ट्रकों को माखननगर, आरी, सांगाखेड़ा और बांद्राभान मार्ग से निकाला जा रहा है। रात में निकलने वाले भारी वाहनों पर भी सख्ती कर उन्हें रोका जाएगा।

नर्मदा स्नान करने जा रही दंपती को बाइक की टक्कर

मीडिया ऑडीटर,हरदा (निप्र)। हरदा जिले में एक सड़क हादसे में तीन लोग घायल हो गए। यह घटना सोमवार सुबह फोरलेन पर ग्राम बागरुल के पास हुई, जब नर्मदा स्नान के लिए पैदल जा रहे एक दंपति को पीछे से आ रही मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी। घायलों को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम देवास निवासी सुमन बाई और उनके पति धर्मसिंह (उम्र 50 वर्ष) अमावस्या पर नर्मदा नदी में स्नान के लिए पैदल नेमावर जा रहे थे इसी दौरान, पीछे से आ रही एक मोटरसाइकिल ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में दंपति सुमन बाई और धर्मसिंह के साथ-साथ मोटरसाइकिल चालक भगवान दास मालवीय (उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम आमासेल) भी घायल हो गए। मोटरसाइकिल पर सवार भगवान दास की पत्नी और एक बच्चे को भी मामूली चोटें आई हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसी बीच, नेमावर से नर्मदा स्नान कर लौट रहे मीडियाकर्मी बृजेश पाटिल ने अपनी कार रोककर घायलों की मदद की। उन्होंने तीनों घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। समय पर मिली मदद से घायलों को तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकी।

बैतूल में मिर्च फेंककर तलवार से हमला करने वाले गिरफ्तार

हत्या के प्रयास में पांच आरोपी पर केस दर्ज, पुरानी रंजिश में किया था हमला

मीडिया ऑडीटर,बैतूल (निप्र)। बैतूल पाथाखेड़ा-सारणी क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर हुए जानलेवा हमले के मामले में सारणी पुलिस ने पांच आरोपियों को सोमवार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो मोटरसाइकिल, दो तलवार, एक छुरा और एक डंडा बरामद किया गया है। पुलिस मामले में फरार अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

तलवार से हाथों पर किया वारः पुलिस के अनुसार, जगजीवन नगर पाथाखेड़ा निवासी विशाल पवार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह रात के समय मोहल्ले में घूम रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार कुछ युवक वहां पहुंचे और पुरानी रंजिश के चलते उन पर हमला कर दिया। आरोपियों ने तलवार से उनके सिर और दोनों हाथों पर वार किए। साथ ही उनकी आंखों में मिर्च पाउडर भी फेंका। हमले के दौरान विशाल के साथी मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद आरोपी वहां से भाग निकले। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि हमलावरों ने घटना से पहले पुराना बाजार पाथाखेड़ा स्थित चौपाटी के पास युधिष्ठिर देशमुख और मिराज अंसारी के साथ भी मारपीट की थी। इन आरोपियों पर मामला दर्ज शिकायत के आधार पर सारणी थाने में हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने राजकमल गिरी निवासी राजेंद्र नगर पाथाखेड़ा, विक्की उर्फ मामू चौहान निवासी आजाद नगर पाथाखेड़ा, विकास उर्फ बुद्धु साहू निवासी आजाद नगर पाथाखेड़ा, बंटी उर्फ मान्या चौहान निवासी सुभाष नगर पाथाखेड़ा और सागर सूर्यवंशी निवासी कोलगांव थाना बैतूल बाजार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल दो मोटरसाइकिल, दो तलवार, एक छुरा और एक डंडा जब्त किया है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी जयपाल इनवाती, चौकी प्रभारी मनोज कुमार उइके सहित सारणी थाना और साइबर सेल की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तवीरों का सम्मान

31 यूनिट रक्तदान से जीवन बचाने का संदेश

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रविवार 14 जून को मंत माधवराव सिंधिया शासकीय जिला चिकित्सालय विदिशा में स्थित ब्लड बैंक द्वारा रक्तदाता सम्मान समारोह एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान करना तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. अनूप वर्मा, ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. राजेंद्र कुशवाहा तथा परामर्शदाता संजय सोनी ने स्वैच्छिक रक्तदाताओं एवं रक्तदान शिविर आयोजित करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अतिथियों ने रक्तदाताओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है, जो अनगिनत लोगों को नया जीवन देने का माध्यम बनता है। सम्मान समारोह में विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं व्यावसायिक संस्थाओं से जुड़े व्यक्तियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इनमें मगधम स्कूल के डायरेक्टर नवल किशोर, केमिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधि, जैन कॉलेज की अंकिता मैडम, रोटरी क्लब से डॉ. दिनेश शर्मा, आईएमए से डॉ. एम.के. जैन, जेडीए के अध्यक्ष डॉ. विमल मेहरा, अदानी समूह से अतुल जी, वरिष्ठ रक्तदाता बाबू भाई, नितिन नेमा, परिषद से आदित्य रघुवंशी तथा निखिल जी (एचडीएफसी बैंक) सहित अनेक रक्तवीरों को सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि रक्तदान न केवल जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित होता है, बल्कि यह सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनाओं का भी प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में रक्तदान के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होती है और नियमित रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। सम्मान समारोह के साथ आयोजित रक्तदान शिविर में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान लगभग 31 यूनिट रक्तदान एकत्रित किया गया। ब्लड बैंक टीम ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें भविष्य में भी नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन रक्तदाताओं, सामाजिक संस्थाओं और सहयोगी संगठनों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ है।

खरीफ फसलों की अनुशंसित एवं नवीनतम किस्मों का चयन करें

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में मध्यप्रदेश में मानसून आने की संभावना है, ऐसे में खरीफ फसलों से संबंधित कृषि आदान, बीज, खाद, खरपतवारनाशक व दवा का उचित भण्डारण कर लें। कृषि वैज्ञानिक के अनुसार उन्नत प्रजातियां- सोयाबीन- जे.एस.-2212, जे.एस.-2216, जे.एस.-2172, जेएस.-2094, जे.एस.- 2098,एनआर. सी. 150, एनआर. सी.-152 एनआरसी.-142, सुगंधित धान- पूसा-1847, पूसा-1637, पूसा-1718, पूसा-1728, पूसा-1692. ज़ मोटी धान- सहभागी, एम.टी.यू. -1010. हाइब्रिड धान- जे. आर.एच.-56, जे. आर.एच.-8, जे.आर.एच. 19. ज़ उड़द- आई.पी. यू.-13-01, आई.पी. यू.-10-26, टी.जे.यू.-130, टी.जे.यू.-339, प्रताप उड़द-1, इन्दिरा उड़द-1. अरहर- आई.पी.ए.-15-06, जी. आर. जी. - 152 (भीमा), पूसा-16. मक्का- जवाहर मक्का 12, जवाहर मक्का 1014, पूसा जवाहर हाइब्रिड-2. ज्वार- आर. बी. जे. 2357, आर. बी. जे. 1862, मूंगफली- जे.जी. एन. 23, मल्लिका, फूले भारती, तिल- टी.के.जी.-55, टी. के. जी. 308. ज़ कोदो- जवाहर कोदो-137, जवाहर कोदो-9-1. कुटकी- जवाहर कुटकी-36, जवाहर कुटकी-95. रागी इन्दिरा रागी-1, छत्तीसगढ़ रागी-3. खरीफ प्याज- एन-53, एग्री फाउंड डार्क रेड, भीमा सुपर, भीमा डार्क रेड. मुनगा- पी.के.एम.- 1, पी.के.एम.-2, ओ.डी.सी. -3. ज़ गेंदा- पूसा बसंती, पूसा नारंगी, अर्का हनी, अर्का बंगारा 2. पपीता पूसा नन्हा, पूसा डवार्फ, खाद व उर्वरक कितना दें। कृषि वैज्ञानिक अनुसार सोयाबीन- 20:60:40:20 एन.पी.के. किग्रा/है. मूंग, उड़द एवं अरहर- 20:60:20 एन.पी.के. किग्रा/है. उन्नत कृषि यंत्र - वर्षा की अनिश्चितता, अधिक वर्षा, अल्प वर्षा एवं बारिश में लम्बे अंतराल को देखते हुए खरीफ फसलों की बुवाई के लिए बुवाई मशीन सीड ड्रिल में वी आकार की पंजी को लगाकर फसलों की बुवाई मेढ़ एवं नाली पद्धति से करें या खरीफ फसलों की बुवाई के लिए।

रायसेन में करंट लगने से युवक की मौत आंधी-तूफान के बाद बिजली फॉल्ट देखने गया था डीपी के आसपास फैले करंट ने ली जान

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन शहर में रविवार रात करंट लगने से 28 वर्षीय युवक साहिल उर्फ इरफान की मौत हो गई। यह घटना दरगाह के पीछे नदी किनारे स्थित 11 केवी बिजली लाइन और डीपी (वितरण ट्रांसफार्मर) के पास हुई। जानकारी के अनुसार, रविवार शाम आए तेज आंधी-तूफान के कारण दरगाह के पास स्थित डीपी का एक जंपर टूट गया था। इससे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। शहर काजी जहीरुद्दीन ने इसकी शिकायत बिजली कंपनी को दर्ज कराई थी। बताया गया है कि बिजली कर्मचारियों के मौके पर पहुंचने से पहले ही साहिल उर्फ इरफान वहां पहुंच गया था। मौके पर मौजूद लोगों ने साहिल को बताया कि एक फेस की बिजली नहीं आ रही है। इसके बाद वह स्वयं दरगाह के पीछे नदी किनारे स्थित 11 केवी लाइन और डीपी के पास गया। बारिश के कारण डीपी के आसपास जमीन में करंट फैल गया था। जैसे ही वह वहां पहुंचा, करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कुछ देर बाद, पीछे से पहुंचे लोगों ने साहिल को जमीन पर पड़ा देखा। उसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां रात करीब 10 बजे डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक साहिल ड्राइवरी का काम करता था और उसके दो छोटे बच्चे हैं।

बिजली कंपनी ने दी सावधानी बरतने की सलाहः बिजली कंपनी के टाउन प्रभारी प्रांजल शर्मा ने लोगों से अपील की है कि आंधी, तूफान और बारिश के दौरान बिजली गुल होने पर स्वयं बिजली लाइन, ट्रांसफार्मर या डीपी के पास न जाएं। ऐसी स्थिति में तुरंत बिजली विभाग को सूचना दें और कर्मचारियों के पहुंचने का इंतजार करें। उन्होंने बताया कि खराब मौसम के कारण शहर में कई स्थानों पर बिजली लाइनें क्षतिग्रस्त हुई हैं। रविवार को वार्ड-14 सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लाइन टूटने और फाल्ट आने की शिकायतें मिली थीं, जिनके सुधार और मेंटेनेंस का कार्य लगातार किया जा रहा था। बिजली विभाग ने लोगों से बारिश के दौरान विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है।

तेज रफ्तार और मॉडिफाइड वाहनों पर कार्रवाईःः36 लोगों से वसूला 13 हजार जुर्माना

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले में आगामी त्योहारों के मद्देनजर कानून-व्यवस्था और यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए रविवार रात पुलिस ने विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। एसपी अगम जैन के निर्देश पर सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल के साथ सघन जांच की। इस दौरान 36 वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 13,600 रुपए का समन शुल्क (जुर्माना) वसूला गया। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया था। चेकिंग के दौरान तेज गति से वाहन चलाने, नियमों की अनदेखी करने और मॉडिफाइड वाहनों का इस्तेमाल करने वालों को विशेष रूप से चिन्हित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों को निर्धारित गति सीमा का पालन करने, बिना अनुमति मॉडिफिकेशन न कराने और हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की सख्त हिदायत दी। शहरी क्षेत्र में थाना प्रभारियों के साथ सीएसपी अभिनव बारंगे ने भी मोर्चा संभाला।

त्योहारों के चलते संवेदनशील इलाकों में बढ़ाई गश्तः एडिशनल एसपी महेंद्र तारणेकर ने बताया कि आगामी त्योहारों और सार्वजनिक आयोजनों को देखते हुए जिले में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जा रही है। इसी रणनीति के तहत सार्वजनिक स्थानों, प्रमुख चौराहों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की गश्त और मौजूदगी बढ़ाई गइ।

दीप्ति शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी जीत के बाद किया हनुमान जी का जिक्र

नई दिल्ली एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप मैच में 10 रन देकर 5 विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज दीप्ति शर्मा ने प्लेयर ऑफ द मैच जीतने के बाद अपने इस प्रदर्शन का श्रेय पूरी टीम को दिया। साथ ही दीप्ति ने कहा कि हनुमान जी महान हैं।

भारत ने सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (68) के अर्धशतक के बाद अनुभवी दीप्ति शर्मा के पांच विकेट से भारत ने आईसीसी टी20 महिला विश्व कप के ग्रुप एक मैच में रविवार को यहां पाकिस्तान को 64 रन से हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। भारत के 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम ऑफ स्पिनर दीप्ति (10 रन पर

पांच विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई। बाएं हाथ की स्पिनर चरणी (21 रन पर तीन विकेट) और शैफाली वर्मा (22 रन पर एक विकेट) ने भी दीप्ति का अच्छा साथ निभाया। दीप्ति शर्मा ने मैच के बाद कहा, 'मैं बहुत आभारी हूं। मुझे इस तरह की पिचें पसंद हैं, इसका पूरा श्रेय टीम को जाता है और मैं बहुत शुक्रगुजार हूं, हनुमान जी महान हैं। मुझे ICC टूर्नामेंट पसंद हैं, क्योंकि मैंने वहीं से शुरुआत की थी, इसलिए मुझे ये अच्छे लगते हैं।' आज इस पिच पर बॉलिंग करने का मुख्य कारण क्या था? दीप्ति ने कहा, 'मुझे लगता है कि क्योंकि पिच टर्न हो रही थी, इसलिए मैंने हर गेंद और हर ओवर में अपनी गति बदली। इससे मुझे बहुत मदद मिली। हां, क्योंकि पिच टर्न हो रही थी, इसलिए मुझे बस यह भरोसा था कि मुझे हवा में थोड़ी धीमी गेंद डालनी है और खुद पर विश्वास रखते हुए सही जगह पर बॉलिंग करनी है। मैं बस यही कर रही थी।'

इंग्लैंड में आपका अनुभव कितना महत्वपूर्ण है?, दीप्ति ने कहा, 'हां, यहां का क्राउड बहुत शानदार है और आज बहुत से लोग भारतीय टीम को सपोर्ट करने आए हैं। और हम हर गेम में यही चाहते हैं कि लोग आते रहें और सपोर्ट करते रहें। खासकर मैं, स्मृति और हैरी दी की पार्टनरशिप के बारे में बताना चाहूंगी। वहीं से हमने मोमेंटम हासिल किया।' आप कुछ मैचों में विकेट नहीं ले पाई थीं इस पर भारतीय गेंदबाज ने कहा, 'असल में, जब मुझे विकेट नहीं मिल रहे थे तो मैं परेशान नहीं थी, लेकिन मुझे हमेशा खुद पर भरोसा रहता है कि जब भी सही समय आएगा, मैं टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करूंगी और मैं इसी तरह खेलती और बॉलिंग करती हूं।'

रोहित सलामी बल्लेबाज के तौर पर 16,000 रन बनाने वाले भारत के दूसरे बल्लेबाज बने

धर्मशाला एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट में अपने 16000 रन पूरे कर लिए। सलामी बल्लेबाज के तौर पर वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के दूसरे और विश्व के सातवे खिलाड़ी बन गये हैं। उनसे पहले भारतीय टीम की ओर से इतने रन पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बनाये थे।

रोहित का 16000 पर पहुंचने के लिए केवल 6 रन चाहिये थे। रोहित ने मैच में पहला छक्का लगाते ही ये रिकार्ड बना दिया। वह मैच में 16 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच से पहले बतौर सलामी बल्लेबाज उनके नाम 15,994 रन दर्ज थे। रोहित ने अपने 16000 रन अपनी 384वीं अंतरराष्ट्रीय पारी में बनाये हैं। .

सलामी बल्लेबाजक के तौर पर 16,000 अंतरराष्ट्रीय रनों का आंकड़ा पार करना कोई मामूली बात नहीं है। रोहित अब दुनिया के उन गिने-चुने दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने क्रिकेट जगत पर राज किया है। इस एलीट क्लब में अब रोहित से पहले श्रलंका के सनथ जयसूर्या, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल, ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर, दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ, वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स और भारत के वीरेंद्र सहवाग जैसे खिलाड़ी शामिल थे। वहीं अगर विश्व क्रिकेट में बतौर सलामी बल्लेबाज सबसे ज्यादा रनों की बात करें तो लंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या 19,298 रनों के साथ इस सूची में नंबर एक पर है। वेस्टइंडीज के 'यूनिवर्स बॉस' क्रिस गेल 18,867 रनों के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर 18,744 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं.

पाकिस्तान पर भारत की जीत के बाद जेमिमा ने कहा, 'हम एक-दूसरे की कमी पूरी करते हैं'

बर्मिंघम एजेंसी। महिला टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान पर शानदार जीत के बाद भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने टीम के जज्बे और एकजुटता की तारीफ की। उन्होंने ड्रेसिंग रूम में बात करते हुए सिर्फ मुख्य खिलाड़ियों पर ध्यान देने के बजाय पूरी टीम के योगदान को सराहा।

जेमिमा ने मैच के बाद बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में दबाव वाली स्थितियों में टीम के अच्छे प्रदर्शन और पूरे मैच के दौरान एक-दूसरे का साथ देने के लिए टीम की तारीफ की। इस मैच में भारत ने मुश्किल पलों से उबरते हुए बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया। अपनी शुरुआती बातों में जेमिमा ने पारी की शुरुआत में शैफाली वर्मा के इरादों का जिक्र किया। बीसीसीआई के वीडियो में ओपनर के बारे में बात करते हुए जेमिमा ने कहा, 'पहली जीत हमेशा खास होती है लड़कियों। सबसे पहले शिफू (शैफ़ाली)। पहली गेंद, बड़ा टूर्नामेंट... और पहली ही गेंद पर छक्का जड़ना।'

इसके बाद उन्होंने सीनियर बल्लेबाज स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर की ओर ध्यान दिलाया जिनकी साझेदारी ने शुरुआती झटके के बाद भारत को मैच में वापस लाने में मदद की। उन्होंने कहा, 'हमारी दो अनुभवी खिलाड़ी... स्मृति, बहुत बढ़िया खेलीं! हैरी दी, बहुत बढ़िया खेलीं। आप दोनों ने हालात के हिसाब से बहुत अच्छा तालमेल बिठाया।'

भारत के मिडिल-ऑर्डर के फिनिशिंग अंदाज की भी तारीफ हुई जिसमें जेमिमा ने पारी के आखिरी पलों में ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा के योगदान को सराहा। जेमिमा ने कहा, 'ऋचा और दीप्ति। हमने मैच को जिस तरह से अच्छे से खत्म किया, उसके बारे में बात करें तो मुझे लगता है कि आप दोनों इसके सबसे अच्छे उदाहरण हैं।' हालाँकि जेमिमा ने इस बात पर जोर दिया कि यह जीत सिर्फ बाउंड्री और बड़े शॉट्स की वजह से नहीं मिली। इसके बजाय उन्होंने टीम की उस क्षमता का जिक्र किया जिसमें खिलाड़ी व्यक्तिगत प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव के बावजूद एक-दूसरे का साथ देते हैं।

उन्होंने कहा, 'यह छक्कों या बाउंड्री के बारे में नहीं था। बॉलिंग में मुझे जो बात सबसे अच्छी लगी, वह यह थी कि ऐसे दिन भी आएंगे जब कोई अच्छी बॉलिंग करेगा और कोई शायद न कर पाए। लेकिन हमने एक टीम के तौर पर बात की थी कि हम एक-दूसरे की कमी पूरी करते हैं।' सामूहिक जिम्मेदारी की यह भावना तब भी दिखी जब जेमिमा ने भारत की बॉलिंग परफॉर्मेंस पर बात की। पाकिस्तान द्वारा लक्ष्य का पीछा करते हुए तेज शुरुआत करने के बाद भारत के गेंदबाजों और फील्डरों ने मिलकर मैच पर दोबारा पकड़ बनाई और विप टीम के विकेट जल्दी-जल्दी गिरा दिए। और, मुझे लगता है कि आज हमारी पार्टनरशिप और जिस तरह से हमने बॉलिंग की, वह शानदार थी। हम हमेशा से एक टीम रहे हैं। हमने अच्छा किया है। लेकिन, आज हमने वैसी शुरुआत नहीं की जैसी हम चाहते थे। फिर भी, जिस तरह से हमने वापसी की, उससे हमें बहुत कॉन्फिडेंस मिलना चाहिए।'

जेमिमा की स्पीच का एक बड़ा हिस्सा दीप्ति शर्मा के लिए था जिनकी बॉलिंग ने पाकिस्तान के कड़े मुकाबले को तोड़ने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि जब प्रेशर ज्यादा होता है, तब आप हमेशा अलग नजर आती हैं। और आज भी आपने बॉलिंग में वह जिम्मेदारी उठाई।' जेमिमा ने युवा स्पिनर श्रेयांका पाटिल की भी तारीफ की कि उन्होंने प्रेशर में भी कितना संयम दिखाया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि जिस तरह से आपने बॉलिंग की, उसमें आपने बहुत मैच्योरिटी दिखाई। बहुत बढ़िया।'

भारतीय बल्लेबाज ने फील्डिंग पर भी जोर दिया और शैफाली वर्मा का खास जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'शैफाली वर्मा - मैजिक हैंड्स! आपने दिखाया कि आप हमेशा योगदान दे सकती हैं। आप चुनौती के लिए तैयार थीं और आपने उसे पूरा किया। बहुत बढ़िया।' बड़ी जीत के बावजूद जेमिमा ने उन बॉलर्स का भी सबके सामने समर्थन किया जिन्हें मुश्किल स्पेल का सामना करना पड़ा था। अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ से बात करते हुए उन्होंने उनकी काबिलियत पर टीम का भरोसा जताया। उन्होंने कहा, 'अरुंधति रेड्डी। आप हमारी सबसे अच्छी बॉलर्स में से एक हैं, सबसे अनुभवी बॉलर्स में से एक हैं। हर कोई आप पर भरोसा करता है और मुझे पता है कि अगली बार आप बहुत अच्छा करेंगी। क्रांति, मुझे लगता है कि जिस तरह से आप आई और जिस तरह से आपने बॉलिंग की, वह बहुत बढ़िया था। आप भी हमारी सबसे अच्छी बॉलर्स में से एक हैं, हमारी पावरप्ले स्पेशलिस्ट, रेणुका के साथ। तो, ऐसे ही आगे बढ़ती रहिए।' जेमिमा ने मैच के टर्निंग पॉइंट फील्डिंग में लड़खड़ाती शुरुआत के बाद भारत की वापसी पर बात करने से पहले चरणी के योगदान को भी सराहा। ', बहुत बढ़िया बॉलिंग की।

और आखिर में मुझे लगता है कि शुरुआती 6 ओवरों में चीजें थोड़ी इधर-उधर हो रही थीं। लेकिन सबने दौड़कर उस हडल में हिस्सा लिया। उसके बाद स्मृति के मैजिक मोमेंट के बाद चीजें बदल गईं।' बल्लेबाज ने अपनी बात खत्म करते हुए उन फील्डिंग प्रयासों का जिक्र किया जिन्होंने भारत को मैच पर

धीरज बोम्मादेवरा ने अपना पहला व्यक्तिगत विश्व कप स्वर्ण जीतकर 'स्वर्णिम डबल' पूरा किया

अंताल्या एजेंसी। धीरज बोम्मादेवरा ने यहां पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के ली वू सियोक को रोमांचक फाइनल में 7-3 से हराकर अपना पहला व्यक्तिगत तीरंदाजी विश्व कप स्वर्ण पदक जीतकर यादगार 'स्वर्णिम डबल' पूरा किया। इससे कुछ घंटे पहले ही उन्होंने कुमकुम मोहोद के साथ रिकर्व मिश्रित टीम का खिताब जीता था। दुनिया में 18वें नंबर के भारतीय सेना के तीरंदाज ने बेहतर रैंकिंग वाले कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ शांत रहकर शानदार प्रदर्शन किया और अपने करियर का सबसे अहम दिन यादगार बनाया। धीरज ने शुरुआती दो सेट 30-29 और 29-28 से जीतकर 5-1 की बढ़त बना ली जबकि तीसरा सेट 27-27 से बराबरी पर छूटा। चौथे सेट में ली ने वापसी की। उन्होंने दो बार 10 और एक बार 9 का स्कोर करके सेट 29-27 से जीता जबकि धीरज परफेक्ट स्कोर नहीं बना पाए जिससे अंतर कम होकर 3-5 हो गया। लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपनी लय नहीं बिगड़ने दी। 5-3 की बढ़त के साथ धीरज ने शानदार फाइनल सेट खेलकर मुकाबला अपने नाम किया।

दीपिका के दो गोल, भारत ने नेशंस कप में अमेरिका को हराया

ऑकलैंड एजेंसी। दीपिका के दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने सोमवार को यहां FIH नेशंस कप के पूल ए के अपने पहले मैच में शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अमेरिका पर 3-2 से जीत हासिल की। भारत की तरफ से दीपिका के दो गोल के अलावा नवनीत कौर ने भी एक गोल किया। अमेरिका की ओर से एशले सेसा और मैडलीन ज़िमर ने गोल किए। नेशंस कप की विजेता टीम अगले सत्र में प्रो लीग में खेलेगी।

भारत पिछले सत्र में इससे बाहर हो गया था। अमेरिका ने शानदार शुरुआत की और एशले ने चौथे मिनट में ही मैदानी गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके महज तीन मिनट बाद अमेरिका ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी जब मैडलीन जिमर (सातवें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत पर शुरुआती दबाव बना दिया। दो गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने आक्रामक रवैया अपनाया और धीरे-धीरे मैच पर अपनी पकड़ बना दी।

भारत को आक्रामक अंदाज में खेलने का फायदा दूसरे क्वार्टर के शुरू में मिला जब ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ दीपिका (17वें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अंतर को कम किया। भारतीय टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा और उसने दूसरे क्वार्टर में फिर से एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। दीपिका (24वें) एक बार फिर आगे बढ़ीं और उन्होंने फिर से पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

भारत ने दबाव बनाए रखा और हाफ टाइम से पहले एक और गोल करके मैच का रुख पूरी तरह से पलट दिया। नवनीत (28वें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को मैच में पहली बार बढ़त दिलाई। इस तरह से भारत ने हाफ टाइम तक 3-2 से आगे था। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने गोल करने के अच्छे प्रयास किए। मैच में दोनों टीमों ने छह-छह पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन आखिरी दो क्वार्टर में गोल करने में नाकाम रही। इस तरह से भारत ने अंत तक अपनी बढ़त कायम रखते हुए तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किये। इस जीत से भारत तीन अंकों के साथ पूल ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। शीर्ष पर काबिज जापान के भी तीन अंक हैं लेकिन उसका गोल अंतर भारत से बेहतर है।

रोहित और कोहली के विकल्प पर बात होना स्वाभाविक : स्वान

लंदन एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर ग्रीम स्वान ने कहा है कि भारतीय टीम के दिग्गज क्रिकेटर रोहित शर्मा और विराट कोहली अपने करियर के अंतिम चरण में हैं, इसलिए इनकी जगह किन क्रिकेटरों को जगह मिलेगी। इसपर बात होना स्वाभाविक है। स्वान ने कहा कि जब भी कोई खिलाड़ी अपने करियर के दूसरे हिस्से में पहुंचता है तो यह स्वाभाविक है कि लोग उसके उत्तराधिकारी की तलाश करने लगते हैं, चाहे उसने कितना भी अच्छा प्रदर्शन क्यों न किया हो। उन्होंने कहा, आप भले ही अपने खेल के शीर्ष पर हों, फिर भी लोग सोचने लगते हैं कि रोहित या विराट के बाद कौन आएगा। यह बहुत सामान्य बात है। जैसे ही प्रदर्शन कमजोर होता है उत्तराधिकारी पर चर्चा तेज हो जाती है। साथ ही कहा कि यह स्थिति तब पैदा होती है जब प्रशंसक और विशेषज्ञ भविष्य की ओर देखने लगते हैं।

स्वान के अनुसार, युवा प्रतिभाओं का उभरना इस दबाव को और अधिक बढ़ा देता है। उन्होंने कहा कि लगातार नई

प्रतिभाओं के सामने आने से भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर स्वाभाविक रूप से अतिरिक्त दबाव बनता है। यह दबाव अनुभवी खिलाड़ियों को अपनी जगह बनाए रखने के लिए लगातार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे टीम में स्वस्थ श्रृंखला को देखते हुए। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि आईपीएल में उनकी फॉर्म शानदार रही है और वह अभी भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। वहीं विराट के बारे में स्वान ने उनके आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन का हवाला दिया।

प्रतिस्पर्धा का माहौल बनता है।

हालांकि, स्वान ने रोहित की वर्तमान फॉर्म की सराहना की। उन्होंने कहा कि रोहित के लिए आने वाले छह सप्ताह महत्वपूर्ण होंगे, खासकर आगामी इंग्लैंड

इस बार विंबलडन में मिलेगी सबसे अधिक इनामी राशि

लंदन एजेंसी। इस माह के अंत में शुरु हो रहे विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को पहले से अधिक इनामी राशि मिलेगी। पिछले कुछ समय से खिलाड़ियों ने राजस्व में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया था जिसके बाद ही विंबलडन ने अपनी कुल इनामी राशि में 20 फीसदी वृद्धि की घोषणा की। इस प्रतिष्ठित ग्रास कोर्ट ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट के एकल चैंपियन को अब पिछली बार की जगह पर रिकॉर्ड 36 लाख पाउंड (लगभग 48 लाख डॉलर) मिलेंगे, जो कि प्रतियोगिता के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी विजेता राशि है।

ऑल इंग्लैंड क्लब की अध्यक्ष, डेबोरा जेवन्स ने कहा है कि खिलाड़ियों की मांग के बाद दैनिक भत्ते सहित कुल इनामी राशि छह करोड़ 42 लाख पाउंड (लगभग आठ करोड़ 58 लाख डॉलर) तक पहुंच जाएगी। यह महत्वपूर्ण बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब टेनिस खिलाड़ी लंबे समय से चार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंटों से होने वाली भारी कमाई में अपनी अधिक हिस्सेदारी की मांग कर रहे थे। हाल के महीनों में, इस मुद्दे पर खिलाड़ियों ने सामूहिक कार्रवाई की दिशा में ठोस कदम उठाने शुरू किये थे।

फ्रेंच ओपन से ठीक पहले, दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने तो यहां तक कहा था कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो खिलाड़ियों को किसी न किसी स्तर पर टूर्नामेंटों का बहिष्कार करना चाहिए। इसके अलावा पुरुषों के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, अमेरिकी स्टार कोको गॉफ और कई अन्य शीर्ष खिलाड़ियों ने भी सार्वजनिक रूप से इस मुद्दे पर अपनी बात रखी थीहै। खिलाड़ियों की एकजुटता का एक और उदाहरण रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) पर देखने को मिला, जहां टूर्नामेंट से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में शीर्ष 10 खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट से होने वाली कमाई में अपने हिस्से को लेकर सांकेतिक विरोध दर्ज कराने के लिए पत्रकारों के साथ अपने सत्र को केवल 15 मिनट तक सीमित रखा। यह कदम स्पष्ट रूप से आयोजकों पर दबाव बनाने के उद्देश्य से उठाया गया था। इसी का परिणाम अब सामने आया है।

रक्तदान सबसे बड़ा दान, इससे बड़ी कोई सेवा नहीं : राज्यपाल डेका

विश्व रक्तदाता दिवस पर राज्यपाल ने रक्तदाताओं का किया सम्मान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है दूसरे के जीवन की रक्षा करना और यह अपने ही रक्त के एक बूंद से हो सके तो इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं है। रक्त का दान सबसे बड़ा दान होता है। राज्यपाल रमेन डेका ने आज प्रदेश के स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान करते हुए उक्त बातें कहीं। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ राज्य शाखा द्वारा स्वैच्छिक रक्तदाताओं को सम्मानित करने के लिए लोकभवन में समारोह आयोजित किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस के अध्यक्ष राज्यपाल डेका ने सर्वाधिक रक्तदान करने वाले प्रदेश के 30 स्वैच्छिक रक्तदाताओं सहित विभिन्न संगठनों और संस्थाओं के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर लोकभवन में रेडक्रॉस द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लोकभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित अन्य लोगों ने उत्सव पूर्वक रक्तदान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है और यह केवल स्वस्थ व्यक्ति के स्वैच्छिक दान से ही उपलब्ध हो सकता है। राज्यपाल ने कहा कि थैलेसीमिया, सिकल सेल, एनीमिया, हिमोफिलिया, कैंसर तथा दुर्घटना जैसी आपात स्थिति में रक्त की आवश्यकता जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करती है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां के लोगों में जो सेवा भाव है वह दूसरी जगह देखने को नहीं मिलती। रक्तदाताओं ने वर्षो से निःस्वार्थ भाव से रक्तदान कर अनेक लोगों को नया जीवन दिया है। ऐसे रक्तदाता समाज के लिए प्रेरणा हैं और उनकी सेवा भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण है। राज्यपाल ने रेडक्रॉस ब्लड बैंक और उसकी टीम के कार्यो की भी सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था वर्षो से जरूरत मंदों तक जीवनदायी रक्त पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमेन तोमन साहू ने स्वागत उदबोधन दिया तथा छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ. रूपल पुरोहित ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर रेडक्रॉस स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस के उपाध्यक्ष रूपेश पाणिग्रही, कोषाध्यक्ष संजय पटेल, रेडक्रॉस ब्लड सेंटर रायपुर के प्रभारी डॉ. सत्यनारायण पाण्डेय, पूर्व चेयरमेन अशोक अग्रवाल रेडक्रॉस के पदाधिकारी, स्वैच्छिक रक्तदाता तथा सहयोगी, संस्थानों तथा संगठनों के सदस्य उपस्थित थे।

सिंधी अकादमी की अध्यक्ष सुषमा जेठानी ने मंत्री राजेश अग्रवाल से की सौजन्य मुलाकात

सिंधी संस्कृति के संरक्षण और युवा पीढ़ी को परंपराओं से जोड़ने पर हुई चर्चा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मबेपर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल से शनिवार को रायपुर स्थित उनके शासकीय निवास पर छत्तीसगढ़ सिंधी अकादमी की नवनियुक्त अध्यक्ष सुषमा जेठानी ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान सिंधी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं के संरक्षण-संवर्धन और समाज के सर्वांगीण विकास में अकादमी की भूमिका पर सार्थक चर्चा हुई। सिंधी समाज के योगदान की सराहना मंत्री अग्रवाल ने कहा कि सिंधी समाज ने मेहनत, उद्यमशीलता और सांस्कृतिक मूल्यों से प्रदेश एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। समाज की गौरवशाली परंपराओं, भाषा, साहित्य, लोककला और सांस्कृतिक धरोहर को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में सिंधी अकादमी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हैस उन्होंने विश्वास जताया कि सुषमा जेठानी के नेतृत्व में अकादमी समाज की सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त बनाएगी। विभिन्न रचनात्मक एवं जनहितकारी गतिविधियों के माध्यम से समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में 184 जोड़ों का हुआ था विवाह, सभी प्रावधानों का पालन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत नवविवाहित जोड़ों को दी गई उपहार सामग्री को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग ने तथ्यात्मक जानकारी जारी कर स्थिति स्पष्ट की है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि 10 फरवरी 2026 को खड़गवां विकासखंड के चनवारीडांड में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत कुल 184 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया था। कार्यक्रम में शासन द्वारा निर्धारित सभी दिशा-निर्देशों और वित्तीय प्रावधानों का पालन किया गया। 50 हजार की सहायता, डीबीटी से सीधा भुगतान योजना के तहत प्रति कन्या 50 हजार रुपये की सहायता राशि का प्रावधान है, इसमें से 35 हजार रुपये सीधे हितग्राही के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से अंतरित किए जाते हैं। शेष राशि से विवाह आयोजन, भोजन, आवास, वस्त्र, श्रृंगार सामग्री सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की जाती हैं। कार्यक्रम में प्रति विवाहित जोड़े के लिए 20 अतिथियों के भोजन, वर-वधू के वस्त्र, चांदी के बिछिया-पायल, श्रृंगार सामग्री और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध कराया गया था। विभागीय अधिकारी ने बताया किया कि शासन के निर्देशों के अनुसार निर्धारित वित्तीय सीमा के भीतर ही सामग्री वितरित की गई। चांदी के बाजार मूल्य बढ़ने के कारण स्वीकृत प्रावधानों के अनुरूप कृत्रिम मंगलसूत्र दिए गए थे।

हाइड्रोपोनिक्स तकनीक से खेती का नया रास्ता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। हाइड्रोपोनिक्स एक उन्नत कृषि तकनीक है, जिसमें मिट्टी का उपयोग नहीं किया जाता। पौधों को सीधे पानी और उसमें घुले आवश्यक पोषक तत्वों के माध्यम से उगाया जाता है। यह तकनीक पारंपरिक खेती की तुलना में कम जगह और कम पानी में अधिक व तेजी से फसल उगाने में बेहद कारगर है। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड द्वारा ÷हाइड्रोपोनिक्स नवाचार एवं न्यूट्रिशन फील्ड तकनीक भविष्य की रणनीति÷ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य आधुनिक कृषि तकनीकों, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ उत्पादन प्रणालियों की जानकारी देना तथा भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा करना था।

प्रधानमंत्री आवास योजना से साकार हुआ उमा बाई का पक्के घर का सपना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना भारत सरकार की एक प्रमुख कल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य बेघर और कच्चे मकानों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों (ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में) को पक्का घर उपलब्ध कराना है। इसके तहत आर्थिक सहायता और होम लोन पर ब्याज सब्सिडी प्रदान की जाती है। बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विकासखंड अंतर्गत ग्राम रेंगनी की निवासी उमा बाई के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना एक नई उम्मीद और खुशियों का माध्यम बनी है। वर्षों तक कच्चे मकान में कठिन परिस्थितियों के बीच जीवन यापन करने वाले उनके परिवार को अब एक सुरक्षित और सम्मानजनक आशियाना मिल गया है।

नैनो यूरिया से बढ़ी पैदावार, किसानों के लिए प्रेरणा बने देवराज सिंह

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य सरकार द्वारा किसानों को उन्नत एवं आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। नैनो उर्वरकों के उपयोग से किसान कम संसाधनों में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं और कृषि को अधिक लाभकारी बना रहे हैं। सूरजपुर जिले के ग्राम ऊँचडीह के बैगापारा निवासी किसान देवराज सिंह इसका एक प्रेरक उदाहरण हैं, जिन्होंने नैनो यूरिया के सफल उपयोग से अपनी खेती में उल्लेखनीय परिणाम हासिल किए हैं। करीब 2.50 एकड़ कृषि भूमि में खेती करने वाले देवराज सिंह पिछले दो वर्षों से धान एवं सब्जी फसलों में नैनो यूरिया का उपयोग कर रहे हैं। उनका अनुभव है कि नैनो यूरिया के प्रयोग से फसलों की वृद्धि बेहतर होती है तथा उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में सकारात्मक सुधार देखने को मिलता है। धान की फसल में अच्छी गुणवत्ता वाली और वजनदार बालियां प्राप्त हो रही हैं, वहीं सब्जी फसलों में भी संतोषजनक परिणाम मिले हैं।

पीएम जनमन आवास योजना से बदली मोटू राम की जिंदगी कच्चे और टपकते घर की परेशानी से मिली स्थायी राहत

कच्चे और टपकते घर की परेशानी से मिली स्थायी राहत, पक्के आशियाने का सपना हुआ पूरा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत आमादरहा के निवासी मोटू राम पहाड़ी कोरवा इसका जीवंत उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना की बदौलत उनका वर्षों पुराना पक्के घर का सपना अब साकार हो रहा है। मोटू राम अपने परिवार के साथ लंबे समय से एक कच्चे मकान में रह रहे थे। खेती-किसानी और छोटी किराना दुकान से परिवार का भरण-पोषण करने वाले मोटू राम के लिए सीमित आय में पक्का घर बनाना संभव नहीं था। बारिश के मौसम में उनके घर की छत टपकती थी, जिससे पूरे परिवार को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। हर वर्ष मकान की मरम्मत और लिपाई-पुताई में अतिरिक्त समय और धन खर्च करना पड़ता था। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना ने उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई। योजना के अंतर्गत उन्हें पक्का आवास स्वीकृत हुआ, जिसके निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। जल्द ही उनका परिवार नए और सुरक्षित घर में रहने लगेगा। मोटू राम बताते हैं कि निर्माण का केवल थोड़ा-सा काम शेष है, जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 2500 किलोलीटर क्षमता के पानी टंकी निर्माण का किया भूमिपूजन

20.93 करोड़ की लागत से बनने वाली टंकी से 2500 घरों को मिलेगा पानी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज रायपुर के खम्हारडीह में बहुप्रतीक्षित 2500 किलोलीटर क्षमता के पानी टंकी के निर्माण का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना से करीब 20 करोड़ 93 लाख रुपए की लागत से बनने वाली इस पानी टंकी से शहर के 2500 घरों को पानी मिलेगा। इसके लिए चार वार्डों, वार्ड क्रमाकं-9, 10, 30 और 31 में 25 किमी डिस्ट्रीब्यूशन पाइपलाइन और 2 किमी राइजिंग मेन पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इसके निर्माण से इन चारों वार्डों में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था सुदृढ़ होगी। विधायकगण सुनील सोनी और पुरंदर मिश्रा तथा महापौर मती मीनल चौबे भी भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुई।उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिकों को पेयजल उपलब्ध कराना सरकार का प्राथमिक दायित्व है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और महापौर मती मीनल चौबे के नेतृत्व में रायपुर के सभी क्षेत्रों का तेजी से विकास किया जा रहा है। रायपुर को राजधानी के अनुरूप सजाया और संवारा जा रहा है। रायपुर के चारों विधायक और महापौर शहर के विकास और जनसुविधाएं बढ़ाने लगातार सक्रियता से विकास एवं निर्माण कार्य स्वीकृत करवा रहे हैं। विधायक पुरंदर मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने खम्हारडीह में नई पानी टंकी के निर्माण का अपना वादा आज पूर्ण कर दिया है। पूर्ववर्ती सरकार ने जितना काम 5 वर्षों में नहीं किया, विष्णु देव साय की सरकार ने उससे कहीं अधिक कार्य अपने ढाई साल के कार्यकाल में कर दिखाया है।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान को मिली सफलता

दो बाल विवाह रुकी समझाइश से, बेटियों को मिला शिक्षा और उज्जवल भविष्य का अवसर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान महिला एवं बाल विकास विभाग और यूनिसेफ द्वारा चलाया जा रहा एक राज्यव्यापी जन-जागरूकता कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य बाल विवाह को रोकना, बाल अधिकारों की रक्षा करना और राज्य को पूर्ण रूप से बाल विवाह मुक्त बनाना है। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन में सुकमा जिले में संचालित बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत जिला प्रशासन ने दो नाबालिग बालिकाओं का बाल विवाह रुकवाकर उनके सुरक्षित और बेहतर भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रशासन की समय पर की गई कार्रवाई और समझाइश से दो बालिकाओं को कम उम्र में विवाह के बंधन में बंधने से बचाया गया। धुरगुड़ा-पोगाभेज्जी में समझाइश से टला बाल विवाह पहला मामला धुरगुड़ा-पोगाभेज्जी गांव का है, जहां स्थानीय परंपरा के अनुसार 17 वर्षीय बालिका का विवाह तय किया जा रहा था। सूचना मिलने पर महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड लाइन और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने परिजनों को बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। समझाइश के बाद दोनों पक्ष विवाह स्थगित करने के लिए सहमत हो गए। सिरसेट्टी में भी प्रशासन की पहल रंग लाई दूसरा मामला सिरसेट्टी के पांडुरूपारा का है, जहां 15 जून को एक बाल विवाह आयोजित होना था। विवाह की तैयारियां शुरू हो चुकी थीं, लेकिन प्रशासनिक टीम ने परिजनों से संवाद कर बालिका के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी। इसके बाद परिवार ने सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय देते हुए विवाह को स्थगित करने का निर्णय लिया। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की दी गई जानकारी दोनों मामलों में संबंधित परिवारों से घोषणा-पत्र एवं पंचनामा तैयार कराया गया तथा उन्हें बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों से अवगत कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि बाल विवाह कानूनन अपराध है और इससे बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा तथा विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

15 जून को जिला अस्पताल जशपुर में बच्चों की निःशुल्क हृदय रोग जांच

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय पर पहचान और उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सत्य साई संजीवनी अस्पताल, नवा रायपुर द्वारा 15 जून 2026 को जिला अस्पताल जशपुर में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में प्रातः 9 बजे से बच्चों के हृदय संबंधी रोगों की निःशुल्क जांच की जाएगी। एसईसीएल के सीएसआर कार्यक्रम ÷धड़कन÷ के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित इस शिविर में ऐसे बच्चों की विशेष जांच की जाएगी, जिन्हें सांस लेने में परेशानी, वजन नहीं बढ़ना, बार-बार सर्दी-खांसी या निमोनिया होना, स्तनपान के दौरान अत्यधिक पसीना आना, तेज धड़कन या शरीर में नीलापन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बच्चों का परीक्षण एवं आवश्यक जांच पूरी तरह निःशुल्क की जाएगी। जांच के दौरान जन्मजात हृदय रोग से प्रभावित पाए जाने वाले बच्चों को चिन्हांकित कर उनका उपचार एवं आवश्यक सर्जरी रायपुर स्थित सत्य साई संजीवनी अस्पताल में एसईसीएल के सहयोग से पूर्णतः निःशुल्क कराई जाएगी। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने जिले के अभिभावकों से अपील की है कि ऐसे लक्षण वाले बच्चों को शिविर में लाकर स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ अवश्य दिलाएं, ताकि समय रहते उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

विश्व रक्तदान दिवस पर बस्तरिया बटालियन के जवानों ने पेश की मानवता और सेवा की मिसाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर 241 बस्तरिया बटालियन द्वारा सेडवा स्थित वाहिनी मुख्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन कर मानवता, सामाजिक उत्तरदायित्व और जनसेवा का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया गया। एक यूनिट सुरक्षित रक्त से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है। रक्तदान करने में केवल एक घंटा लगता है, लेकिन इसका प्रभाव जीवन भर रहता है। इस पुनीत आयोजन में डिमरापाल स्थित स्वर्गीय बलिराम कश्यप मेमोरियल शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। रक्तदान कर जरूरतमंदों के जीवन की रक्षा में दिया महत्वपूर्ण योगदान देश की सुरक्षा के साथ-साथ समाज के प्रति अपनी संवेदनशील प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए बटालियन के अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान अभियान में भाग लिया। शिविर के दौरान कुल 24 अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंदों के जीवन की रक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना से ग्राम कंठी के उमाकांत चौधरी बने ऊर्जादाता

सोलर पैनल से बिजली बिल हुआ शून्य, अतिरिक्त बिजली बेचकर कमा रहे लाभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वाकां पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण परिवारों के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया माध्यम बन रही है। योजना के तहत हितग्राही न केवल अपने बिजली खर्च में कमी ला रहे हैं, बल्कि स्वयं बिजली उत्पादन कर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर रहे हैं। सरगुजा जिले की ग्राम पंचायत कंठी के निवासी उमाकांत चौधरी इसकी प्रेरणादायक मिसाल हैं, जिनका बिजली बिल अब पूरी तरह शून्य हो गया है। उमाकांत चौधरी ने बताया कि पहले उनके घर में हर माह बिजली का बिल एक अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन जाता था। बढ़ती बिजली खपत के कारण घरेलू बजट प्रभावित होता था। इसी समस्या के समाधान के लिए उन्होंने पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अपने घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित कराया। सोलर संयंत्र स्थापित होने के बाद अब उनके घर की अधिकांश बिजली आवश्यकता स्वयं पूरी हो जाती है। आवश्यकता से अधिक उत्पन्न होने वाली बिजली को वे विद्युत ग्रिड में वापस भेज रहे हैं। इससे उनका बिजली बिल पूरी तरह समाप्त हो गया है और वे एक सामान्य उपभोक्ता से ऊर्जा उत्पादक की भूमिका में आ गए हैं। चौधरी ने बताया कि सोलर संयंत्र स्थापना के लिए उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की ओर से कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। इस आर्थिक सहयोग ने सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने को आसान और किफायती बना दिया। उनका कहना है कि योजना की प्रक्रिया सरल है और इसका लाभ आम नागरिक आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की दूरदर्शी पहल और सब्सिडी सहायता के कारण आम लोगों के लिए सौर ऊर्जा अपनाना संभव हो पाया है। इससे न केवल बिजली खर्च में बचत हो रही है, बल्कि स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को भी बढ़ावा मिल रहा है। उमाकांत चौधरी ने अन्य नागरिकों से भी योजना का लाभ लेने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र परिवार को अपने घर की छत पर सोलर संयंत्र स्थापित कर इस योजना से जुड़ना चाहिए। इससे बिजली बिल की चिंता समाप्त होगी और परिवार आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बन सकेंगे।

कयाकिंग-कैनोइंग को आगे बढ़ाने हरसंभव सहयोग देगी सरकार - अरुण साव उप मुख्यमंत्री 36वें नेशनल कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप के समापन समारोह में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव आज नवा रायपुर के सेंध जलाशय में आयोजित 36वें नेशनल कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों और टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। विगत 12 जून से प्रारंभ इस चैंपियनशिप में देश के 24 राज्यों के 810 खिलाड़ियों तथा करीब 400 अधिकारियों, खेल संघों के पदाधिकारियों और सपोर्टिंग स्टॉफ ने भागीदारी की। चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश ओवरऑल चैंपियन बना। केरलम और ओड़िशा क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार मंत्री गुरू खुशवंत साहेब भी समापन समारोह में शामिल हुए।उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने समापन समारोह में खिलाड़ियों और विभिन्न राज्यों से आए कयाकिंग-कैनोइंग संघों के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी इस खेल में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। देशभर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में राज्य के लिए पदक जीत कर ला रहे हैं। राज्य में कयाकिंग-कैनोइंग को और आगे बढ़ाने सरकार हरसंभव सहयोग देगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल और खिलाड़ियों की तरक्की एवं बेहतरी के लिए लगातार काम हो रहे हैं। भारत सरकार 2047 तक विकसित भारत के साथ ही देश को दुनिया की पांच बड़ी खेल शक्तियों में शामिल करने रोडमैप बनाकर काम कर रही है। ओलंपिक और कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा पदक जीते, इसके लिए योजना बनाकर काम कर रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा